सोमवार, 28 जुलाई 2025

मौसम

तापमान 27 – 30
आर्द्रता 91%
सूर्योदयः 5:14 सूर्यास्तः 18:38

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, श्रावण शुक्लपक्ष चतुर्थी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : अपने दिल की सुनो, वह तुम्हें सही रास्ता दिखाएगा।

जडेजा और सुंदर की शानदार पारियों से भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट ड्रॉ कराया पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में मची भगदड़, छह श्रद्धालुओं की मौत, 28 घायल

धामी ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए

संसद : आज से पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीखी बहस की तैयारी

नयी दिल्ली : संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद सोमवार से पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीखी बहस होने की संभावना है, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर आमने-सामने होंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर इन मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखेंगे। ऐसे संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपनी सरकार के 'मजबूत' रुख के ट्रैक रिकॉर्ड से अवगत कराने के लिए हस्तक्षेप कर सकते हैं। दोनों सदनों में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव तथा अन्य नेताओं के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 25 जुलाई को कहा था कि सत्र का पहला सप्ताह लगभग व्यर्थ चला गया था तथा विपक्ष ने सोमवार को लोकसभा में और उसके बाद मंगलवार को राज्यसभा में इन दोनों मुद्दों पर चर्चा शुरू करने पर सहमति जताई है।

कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा से पहले सांसदों को व्हिप जारी किया

नयी दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के मद्देनजर कांग्रेस ने अपने लोकसभा सदस्यों को व्हिप जारी कर सोमवार से तीन दिनों तक सदन में उपस्थित रहने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि चर्चा के पहले दिन सदन में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई विपक्षी दल का नेतृत्व करेंगे। सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा तथा विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर आमने-सामने होने के लिए तैयार हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारने की उम्मीद है। कांग्रेस ने व्हिप जारी कर अपने सांसदों को सोमवार से तीन दिन तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा है।

बिहार में एसआईआर के तहत 7.24 करोड़ मतदाताओं ने गणना फॉर्म जमा कराए : निर्वाचन आयोग

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के एक महीने तक चले पहले चरण के समापन के बाद 7.24 करोड़ या 91.69 प्रतिशत मतदाताओं से गणना फार्म प्राप्त हो गए हैं। आयोग ने बताया कि 36 लाख लोग या तो अपने पिछले पते से स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं या फिर उनका कोई पता ही नहीं है। इसने कहा कि बिहार के सात लाख मतदाताओं का कई जगहों पर नाम दर्ज है। गणना प्रपत्र वितरित करने और वापस प्राप्त करने से संबंधित एसआईआर का पहला चरण शुक्रवार (25 जुलाई) को समाप्त हो गया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को ये मतदाता नहीं मिले और न ही उन्हें गणना फॉर्म वापस मिले, क्योंकि या तो वे अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता बन गए हैं, या फिर वहां मौजूद नहीं थे, या उन्होंने 25 जुलाई तक फॉर्म जमा नहीं किए थे।

धामी ने हरिद्वार पहुंचकर भगदड़ में घायल हुए लोगों का हाल-चाल जाना

हरिद्वार/देहरादून : उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ मचने से छह श्रद्धालुओं की मौत हो गयी तथा 28 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। धामी ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की है। घटना के बाद धामी ने हरिद्वार पहुंचकर घायलों से मुलाकात की तथा उनका हालचाल जाना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर के मार्ग में मची भगदड़ में श्रद्धालुओं की मृत्यु होने का समाचार बहुत पीड़ादायक है। मैं सभी शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।'' प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर जाने के मार्ग पर भगदड़ मचने के कारण लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की सहायता कर रहा है।'' प्रदेश के आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि मनसा देवी के पैदल मार्ग में सुबह मची भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गयी तथा 28 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल पांच श्रद्धालुओं को बेहतर उपचार के लिए तत्काल ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर कर दिया गया है जबकि शेष 23 घायलों का उपचार हरिद्वार जिला चिकित्सालय में चल रहा है। सुमन ने बताया कि मनसा देवी में हुई घटना की जानकारी के लिए राज्य सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुबह नौ बजे भगदड़ की सूचना मिलते ही हरिद्वार जिला प्रशासन, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं की संयुक्त टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और बचाव तथा राहत अभियान चलाया। गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय, गढ़वाल पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप, हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी की। डोभाल ने बताया कि मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास अचानक बिजली के करंट की अफवाह फैल गयी और प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि इसी वजह से भगदड़ मच गयी। हालांकि, उन्होंने कहा कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) से मिली जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुए श्रद्धालु उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा तथा दिल्ली के निवासी हैं। एसईओसी के अनुसार मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी आरुष (12), बिहार के अररिया निवासी शकल देव (18), उत्तर प्रदेश के रामपुर निवासी विक्की सैनी (18), उत्तराखंड के काशीपुर निवासी विपिन सैनी (18), उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के वकील सिंह और उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले की शांति के रूप में हुई है। सिंह और शांति की उम्र नहीं बताई गयी है।

हरिद्वार के मंदिर में भगदड़ मचने से तीर्थयात्रियों की हुई मौत पीड़ादायक : राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर के मार्ग में मची भगदड़ में श्रद्धालुओं की मृत्यु होने का समाचार बहुत पीड़ादायक है। मैं सभी शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।''

बिहार एसआईआर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नयी दिल्ली : बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय सोमवार को सुनवाई करेगा। बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले पर विचार कर सकती है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के जारी एसआईआर को यह कहते हुए उचित ठहराया है कि इससे मतदाता सूची से ''अपात्र व्यक्तियों का नाम हटाने से'' चुनाव की शुचिता बढ़ेगी। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के आदेश वाले अपने 24 जून के फैसले को उचित ठहराते हुए कहा है कि सभी प्रमुख राजनीतिक दल इस प्रक्रिया में ''शामिल'' हैं और पात्र मतदाताओं तक पहुंचने के लिए 1.5 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट तैनात किए गए हैं, लेकिन अब वही दल इस प्रक्रिया का उच्चतम न्यायालय में विरोध कर रहे हैं। याचिकाकर्ताओं के आरोपों का खंडन करने के लिए दायर एक विस्तृत हलफनामे में निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मतदाता सूची से अपात्र व्यक्तियों के नाम को हटाकर एसआईआर चुनाव की शुचिता को बढ़ाता है। याचिकाकर्ताओं में कई राजनीतिक नेता, नागरिक समाज के सदस्य और संगठन शामिल हैं। इस बीच, मामले में मुख्य याचिकाकर्ता गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) ने एक प्रत्युत्तर हलफनामे में दावा किया है कि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को बेहद व्यापक और अनियंत्रित विवेकाधिकार प्राप्त हैं, जिससे बिहार की बड़ी आबादी के मताधिकार से वंचित होने का खतरा पैदा हो सकता है।

बांके बिहारी मंदिर समिति यूपी सरकार के अध्यादेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

नयी दिल्ली : मथुरा स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस अध्यादेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें मंदिर के प्रशासन का नियंत्रण राज्य सरकार द्वारा अपने हाथ में लिए जाने की बात कही गई है। अधिवक्ता तन्वी दुबे के माध्यम से दायर याचिका में मंदिर प्रबंधन समिति (जिसमें 350 सदस्य और 'सेवायत' रजत गोस्वामी शामिल हैं) ने कहा कि सरकार का आचरण स्पष्ट रूप से दुर्भावनापूर्ण है, क्योंकि पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर के धन के उपयोग से संबंधित मुद्दे पर उच्च न्यायालय ने 8 नवंबर, 2023 को पहले ही फैसला कर दिया था और उसने राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर के धन का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। समिति ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के 8 नवंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ अपील दायर नहीं की और इसके बजाय शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित याचिका में एक पक्षकार आवेदन दायर किया गया। याचिका में कहा गया है, ''उक्त एसएलपी (विशेष अनुमति याचिका) गिरिराज सेवा समिति के चुनावों से संबंधित एक पूरी तरह से अलग मुद्दे से संबंधित थी, जो बांके बिहारी जी महाराज मंदिर से पूरी तरह से अलग मुद्दा है। उच्चतम न्यायालय ने 15 मई, 2025 के आदेश में एक निर्देश पारित किया था, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश सरकार को पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण करने के लिए मंदिर के धन का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।'' यह याचिका सोमवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा यह अपनी पहचान,सम्मान खो देगा : भागवत

कोच्चि : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि 'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा यह अपनी पहचान और विश्व में इसे जो सम्मान प्राप्त है, वह खो देगा। भागवत ने कहा कि इंडिया तो 'भारत' है लेकिन जब हम इसके बारे में बात करते हैं, लिखते हैं या बोलते हैं तो इसे इसी रूप में रखा जाना चाहिए फिर चाहे वह सार्वजनिक रूप से हो या व्यक्तिगत रूप से। उन्होंने कहा कि क्योंकि यह भारत है इसलिए भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा, ''भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। यह सच है कि 'इंडिया भारत है'। लेकिन भारत, भारत है। इसलिए बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''भारत को भारत ही रहना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है क्योंकि यह भारत है। अगर आप अपनी पहचान खो देते हैं तो चाहे आपके कितने भी अच्छे गुण क्यों न हों आपको इस दुनिया में कभी सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलेगी। यही मूल सिद्धांत है।'' उन्होंने आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 'ज्ञान सभा' में यह बात कही। अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि दुनिया ताकत की भाषा समझती है इसलिए भारत को आर्थिक दृष्टि से भी शक्तिशाली और समृद्ध बनना होगा। भागवत ने कहा कि भारत को अब ''सोने की चिड़िया'' बनने की जरूरत नहीं है बल्कि अब ''शेर'' बनने का समय आ गया है। उन्होंने कहा,'' यह ज़रूरी है क्योंकि दुनिया ताकत को समझती है। इसलिए भारत को ताकतवर बनना होगा। उसे आर्थिक दृष्टि से भी समृद्ध बनना होगा।'' साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि देश को दूसरों पर शासन करने के लिए नहीं,बल्कि विश्व की सहायता करने के लिए ताकतवर बनना चाहिए।

ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं : प्रधान न्यायाधीश गवई

श्रीनगर : प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं हैं। उन्होंने नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया। न्यायमूर्ति गवई ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएए-लएसए) के उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अतीत की विसंगतियों को दूर करने और कश्मीर को उसके पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत है, जहां सभी समुदाय सद्भाव के साथ रहते थे। उन्होंने कहा, न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा। नालसा इसी दिशा में काम करता है। हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने की कोशिश कर रहे हैं-चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। जब तक लोगों को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक इन अधिकारों का कोई मतलब नहीं है। कश्मीर की पिछले 35 वर्षों की स्थिति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, कुछ विसंगतियां रही हैं, लेकिन हमें इन्हें दूर करने के लिए काम करना होगा। न्यायाधीशों और वकीलों के बीच यह संवाद एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगा। मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम उस पारंपरिक कश्मीर के पुनर्निर्माण में मदद करेगा, जहां सभी समुदाय-हिंदू, मुस्लिम और सिख-एक साथ रहते थे।

केवल अंतरिक्ष क्षेत्र में 200 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि इससे भारत के बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति जिज्ञासा की एक नयी लहर उत्पन्न हुई है। मोदी ने साथ ही कहा कि देश में केवल अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े 200 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है और 'वोकल फॉर लोकल' 'आत्मनिर्भर भारत' का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा, ''हाल में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की वापसी को लेकर देश में खूब चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु पृथ्वी पर सुरक्षित उतरे, लोग खुशी से उछल पड़े, हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया।''

बीएसएफ को बांग्लादेश सीमा के लिए पांच हजार आधुनिक कैमरे और बायोमेट्रिक उपकरण मिले

नयी दिल्ली : भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसफ) के जवानों को 5,000 से अधिक 'बॉडी वॉर्न कैमरे' उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि ड्यूटी पर तैनात जवान अपराधियों द्वारा किए गए हमलों के अलावा अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजने के दृश्य और साक्ष्य रिकॉर्ड कर सकें। सुरक्षा प्रतिष्ठान के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 4,096 किलोमीटर सीमा पर बल की चुनिंदा सीमा चौकियों (बीओपी) को भी बायोमेट्रिक उपकरणों से लैस किया जा रहा है ताकि वे अवैध बांग्लादेशियों के अंगुलियों के निशान और आंखों की पुतलियों की तस्वीर ले सकें और ये आंकड़े विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) के साथ साझा किया जा सके। इस मोर्चे पर बीएसएफ की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए दो नीतिगत निर्णय पांच अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के मद्देनजर लिए गये। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा स्थिति की ''व्यापक समीक्षा'' के बाद बीएसएफ मुख्यालय के इन दो प्रस्तावों को मंजूरी दी है। सूत्रों के अनुसार, भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा में तैनात बीएसएफ जवानों को दो चरण में लगभग 5,000 'बॉडी वॉर्न कैमरे' (ऐसे कैमरे जिन्हें जवान हेल्मेट या वर्दी में धारण कर सकें) भेजे जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि ये रात के अंधेरे में भी देखने में सक्षम कैमरे लगभग 12-14 घंटे की फुटेज रिकॉर्ड कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि ये कैमरे उन तथ्यों और सबूतों को रिकॉर्ड करने में मददगार होंगे जब बीएसएफ के जवान अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजेंगे या मानव तस्करी और घुसपैठ के अलावा मादक पदार्थ, मवेशी और जाली भारतीय मुद्रा की तस्करी जैसे सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए बदमाशों से निपटेंगे।

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थेपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट ही एकमात्र निश्चित समाधान है।
मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।
सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए में 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown
Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632

e-mail : santdr@gmail.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

रैगिंग के बदलते तरीकों की हो निगरानी

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर-तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर-तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यही वजह है कि यूजीसी को चेतावनी देने को बाध्य होना पड़ा कि रैगिंग के किसी तरह के क्रियाकलाप पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। ऐसा न करने पर इन शिक्षण संस्थानों की रेटिंग कम करने तथा अनुदान रोकने की कार्रवाई भी हो सकती है। दरअसल, शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में रैगिंग जैसी कुरीति पर रोक लगाने के लिये जहां सीनियर छात्रों के लिये परामर्श केंद्र बनाये जाने चाहिए, वहीं नये छात्रों की भी काउंसिलिंग की जानी चाहिए, ताकि वे नयी परिस्थितियों से साम्य स्थापित कर सकें।

आज का पंचांग

कोलकाता : 28 जुलाई, सोमवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, श्रावण शुक्लपक्ष चतुर्थी, 23:27 तक, नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 17:35 तक, योग : परिघा, 26:47 तक, सूर्योदय: 5:14, सूर्यास्त: 18:38, चन्द्रोदय : 08:11, चन्द्रास्त: 20:46, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : सिंह, राहू काल : 06:48 से 08:26

राशिफल

मेष : आज का दिन आपको चोट चपेट लग सकती है या आप किसी परेशानी में पड़ सकते हैं. आपको अपने प्रेम एवं संतान का साथ मिलेगा. आपके व्यापार की स्थिति पहले से बेहतर रहेगी.

वृष : आज के दिन आपको अपने जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा. आपके स्वास्थ्य की स्थिति पहले से बेहतर रहेगी. आपका व्यापार पहले अच्छा रहेगा. जिससे आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी.

मिथुन : आज के दिन आप अपने शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे. आपको गुढ़ ज्ञान की प्राप्ति होगी. आपके स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार होगा. आपका व्यापार अच्छा रहेगा.

कर्क : आज के दिन आपका स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा. आपकी अपने प्रेम एवं संतान से थोड़ी दूरी बनी रहेगी. यात्रा के दौरान आपको कष्ट हो सकता है. आपका व्यापार रुक-रुक कर चलता रहेगा.

सिंह : आज के दिन आपकी आय में आशातीत बढ़ोतरी होगी. आपको किसी शुभ समाचार की प्राप्ति होगी. आपकी अपने प्रेम एवं संतान से थोड़ी दूरी बनी रहेगी.

कन्या : आज के दिन आपको शासन सत्ता पक्ष का सहयोग मिलेगा. कोर्ट कचहरी के मामलों में आपको विजय मिलने की सम्भावना है. आपका व्यापार पहले से ठीक रहेगा.

तुला : आज के दिन लंबे समय से आपका रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा. आपका रक्तचाप अनियंत्रित हो सकता है. आपको अपने प्रेम एवं संतान का साथ मिलेगा. आपके व्यापार में शुभता बनी रहेगी.

वृश्चिक : आज के दिन भाग्यवश आपके कुछ काम बनेंगे. आपका समाजिक व आर्थिक कद बढ़ेगा. आपको अपने प्रेम एवं संतान का साथ मिलेगा. आप व्यापार में तरक्की करेंगे.

धनु : आज के दिन खर्च की अधिकता आपके मन को परेशान कर सकती है. आप मुख रोग के शिकार हो सकते हैं. प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात हो सकती है. आपके व्यापार की स्थिति पहले से अच्छी रहेगी.

मकर : आज के दिन आपकी आय में आशातीत बढ़ोतरी होगी. यात्रा से आपको लाभ मिलेगा. आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा. आपको अपने प्रेम एवं संतान का साथ मिलेगा.

कुम्भ : आज के दिन आप आपका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा. खर्च की अधिकता के कारण आपका मन परेशान रहेगा. आपको अपने प्रेम एवं संतान का साथ मिलेगा.

मीन : आज के दिन आपके आर्थिक मामले सुलझेंगे. आपका रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा. आपको किसी भ्रामक समाचार की प्राप्ति होगी. आपको अपने प्रेम एवं संतान का भरपूर साथ मिलेगा.

छात्र आत्महत्या पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता: क्या जागेगा प्रशासन?

कमलेश पांडेय

देश के शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं (स्टूडेंट्स) की आत्महत्या और उनमें बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) की समस्याओं पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने शुक्रवार को जो चिंता जताई है, वह अकारण नहीं है बल्कि इसके पीछे उन हजारों परिवारों और लाखों लोगों की बेदना छिपी हुई है जो ऐसे मामलों में अपने परिजनों को गंवा चुके है। इन घटनाओं में कोई बचपन में ही अनाथ हो गया तो कोई बुढ़ापे में बेसहारा। इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि क्या छात्र-छात्राओं की खुदकुशी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता से शिथिल प्रशासनिक मिशनरी में कोई नई हलचल पैदा होगी? या फिर उसकी यह पहलकदमी भी नक्कारखाने में तूती की आवाज मानिंद दबी रह जायेगी। बता दें कि ऐसा बिल्कुल नहीं कि केंद्र व राज्य सरकारें इन घटनाओं से अनजान हैं, बल्कि उसने तो 1960 के दशक में ही इन मामलों में संजीदगी दिखाई और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 1966 से ही भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट जारी करनी शुरू कर दिए। ततपश्चात आत्महत्या के कारणों और उससे बचने के उपायों पर ब्रेक के बाद आत्ममंथन किया गया लेकिन परिणाम ढाक के तीन पात निकले और देश में आत्महत्या के मामलों में हाल के वर्षों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यही वजह है कि गत दिनों माननीय सर्वोच्च न्यायालय को यह कहना पड़ा कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए देश में कोई माकूल कानून नहीं है। बहरहाल इसे देखते हुए कोर्ट ने 15 गाइडलाइंस जारी की जो तब तक पूरे देश में लागू और बाध्यकारी होंगी, जब तक कि कोई स्पष्ट व पारदर्शी कानून इस बारे में नहीं बन जाता है। कोर्ट के मुताबिक, ये दिशा निर्देश (गाइडलाइंस) सभी सरकारी, सार्वजनिक व प्राइवेट स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, प्रशिक्षण और कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों (हॉस्टलों) पर लागू होंगी, चाहे वे किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय से संबद्ध हों। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने नीट (छएएढ) की तैयारी कर रही 17 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में सुनवाई करते हुए ये गाइडलाइंस जारी की। साथ ही, छात्रा की मौत की सीबीआई से जांच कराने का भी आदेश दिया है। कोर्ट का यह कहना सही है कि जब तक तत्सम्बन्धी कानून नहीं बनेंगे, तब तक उसके नए दिशानिर्देश लागू रहेंगे। इसके अलावा मेंटल हेल्थ नीति भी सबके लिए बनानी होगी। उसने दो टूक कहा कि सभी शिक्षण संस्थान यूनिफॉर्म मेंटल हेल्थ पॉलिसी अपनाएंगे और इसे अपने सूचना पट और वेबसाइट पर जारी करेंगे। इसके अलावा, एक सौ से अधिक (100+) छात्रों वाले संस्थानो में मेंटल हेल्थ प्रफेशनल जैसे- ट्रेड काउंसलर, सायकायट्रिस्ट को रखना होगा। इसके लिए वे दक्ष प्रफेशनल नियुक्त करें। इन्हें स्टूडेंट-काउंसलर अनुपात का भी ध्यान रखना होगा यानी इनके यहां छोटे छोटे बैचों में समर्पित काउंसलर नियुक्त हो, जिनसे एग्जाम में सहयोग मिल सके। वहीं,सुरक्षा उपाय भी करने होंगे जिसके तहत हॉस्टल की छतों, बालकनी और पंखों जैसी जगहों पर सुरक्षा उपकरण लगाने होंगे। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि कोचिंग सहित सभी संस्थान अव्यवहारिक बैच विभाजन नहीं करें, खासकर प्रदर्शन के आधार पर। कहने का तातपर्य यह कि सभी संस्थान प्रदर्शन के आधार पर छात्रों को अलग अलग बैच में डालने से बचें क्योंकि इससे छात्रों में कुंठा की भावना पैदा होती है। इसके अलावा, कोर्ट ने किसी भी तरह के उत्पीड़न पर कठोर रुख अपनाया है और जाति, लिंग, धर्म, दिव्यांगता, की शिकायत का मेकेनिजम बनाने का निर्देश दिया है। खासकर यौन आधार पर उत्पीड़न के प्रयासों पर त्वरित संजीदगी दिखाने को कहा है। कोर्ट ने इमरजेंसी में हेल्प प्रदान करने की भी बात कही है और संस्थानों में अस्पताल, हेल्पलाइनों के नंबर स्पष्ट अक्षरों में प्रदर्शित किए जाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सभी संस्थाओं के स्टाफ ट्रेनिंग पर जोर देते हुए सुझाव दिया है कि कर्मचारियों को साल में कम से कम दो बार ट्रेंड मेंटल हेल्थ प्रफेशनल से ट्रेनिंग दी जाए। इसके अलावा, अभिभावकों (पैरंट्स) में भी जागरूकता लायी जाए। इस नजरिए से माता-पिता के लिए जागरूकता सेशन करें और उन्हें बच्चों में अत्यधिक प्रेशर न डालने को कहें। यदि यह सबकुछ कर लिया गया तो निःसन्देह ऐसी अप्रत्याशित घटनाएं रोकी जा सकती हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 के लिए भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट जारी की थी जिससे जुड़ी एडीएसआई रिपोर्ट ही आत्महत्या से होने वाली मौतों पर देश में एकमात्र सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट है। बताते चलें कि 1966 में पहली बार प्रकाशित एडीएसआई (-उद्धख) की रिपोर्ट के बाद से आत्महत्या की दर में नाटकीय वृद्धि देखी गई है। साल 2022 में तो आत्महत्या की दर 2021 से 4.2% बढ़कर 08 से 12.2 प्रतिशत 100,000 जनसंख्या (1,64,033 से 1,70,924) हो गई, जो 56 वर्षों में दर्ज की गई सर्वाधिक उच्चतम दर है।इसी वर्ष यानी 2022 में ही भारत सरकार ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति शुरू की, जो आत्महत्या रोकथाम के लिए एक देशव्यापी दृष्टिकोण को स्पष्ट करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस रणनीति में 2020 के आधार वर्ष की तुलना में आत्महत्या से होने वाली मौतों में 10% की कमी लाने का स्पष्ट लक्ष्य रखा गया है। हालाँकि, दर में तीव्र वृद्धि से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अंतर बढ़ गया है। इस वर्ष के आंकड़ों से कुछ उल्लेखनीय अवलोकन से पता चलता है कि आत्महत्या के पीछे उम्र, क्षेत्र और पेशे भी कारक बन रहे हैं, इसलिए छात्र जीवन से ही इन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जहां तक आत्महत्या और उम्र का सवाल है तो आंकड़े इस बात की चुगली करते हैं कि सभी आयु समूहों में आत्महत्या की दर औसतन 5 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं,18 वर्ष से कम आयु के युवाओं को छोड़कर, जिनकी आत्महत्या दर में मामूली गिरावट देखी गई।

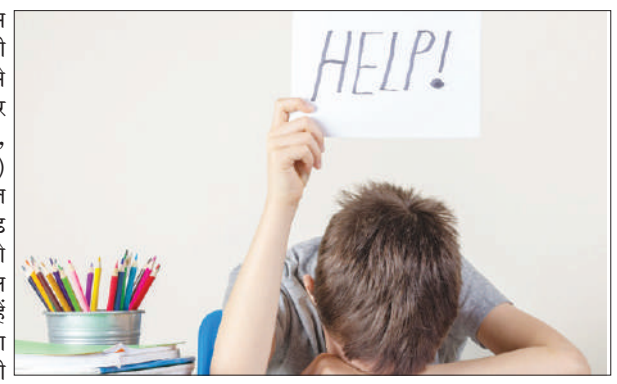

वहीं, 2022 में कुल आत्महत्याओं में 18-30 वर्ष की आयु के युवा वयस्कों की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत थी, जो सबसे बड़ी हिस्सेदारी थी। इसके बाद 30 से 45 वर्ष की आयु के वयस्कों का स्थान था, जिनकी हिस्सेदारी कुल आत्महत्याओं के अनुपात में 32 प्रतिशत थी। जबकि देश में आत्महत्या से होने वाली मौतों में दोनों आयु समूहों का संयुक्त योगदान 67 प्रतिशत है।

वहीं, आत्महत्या और भूगोल यानी क्षेत्र का भी गहरा सम्बन्ध है। इसलिए देश भर में आत्महत्या की दर में काफी भिन्नता है। जहां बिहार में यह दर प्रति 100,000 जनसंख्या पर 0.6 है तो यह सिक्किम में प्रति 100,000 जनसंख्या पर 43.1 तक पहुंच चुका है। यह भिन्नता महत्वपूर्ण थी और छोटे राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक स्पष्ट थी जहां जनसंख्या कम है जिसके परिणामस्वरूप रिपोर्ट की गई दरें अधिक थीं। वहीं, भौगोलिक दृष्टि से बड़े और अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में केरल में प्रति 100,000 जनसंख्या पर 28.5 की दर सबसे अधिक थी, उसके बाद छत्तीसगढ़ में 28.2 और फिर तेलंगाना में 26.2 थी। वहीं, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश, जो पूर्ण संख्या के आधार पर शीर्ष तीन राज्य हैं, सामूहिक रूप से देश में होने वाली सभी आत्महत्याओं का एक तिहाई हिस्सा हैं और इनकी आत्महत्या दर क्रमशः 18.1, 25.9 और 17.9 है। इसप्रकार, आत्महत्या में सबसे ज़्यादा वृद्धि मिज़ोरम में हुई जहाँ 2021 और 2022 के बीच आत्महत्याओं में 54.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पूर्वोत्तर में पड़ोसी राज्य मणिपुर में सबसे ज़्यादा 47 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। छोटे राज्यों में आत्महत्याओं की कुल संख्या में काफ़ी अंतर होने की संभावना है। वहीं, बड़े राज्यों में, हिमाचल प्रदेश में आत्महत्याओं की रिपोर्ट में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जो 2021 और 2022 के बीच 28 प्रतिशत कम हो गई है। बिहार, पश्चिम बंगाल और पंजाब में भी आत्महत्याओं में क्रमशः 15 प्रतिशत, 6.2 प्रतिशत और 6.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जबकि, आत्महत्याओं में सबसे ज़्यादा वृद्धि उत्तर प्रदेश में देखी गई, जो एक घनी आबादी वाला राज्य है, जहाँ आत्महत्याओं में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तीसरी सबसे ज़्यादा वृद्धि जम्मू-कश्मीर में हुई, जहाँ यह वृद्धि 31 प्रतिशत रही, उसके बाद झारखंड में 19.5 प्रतिशत रही। जहां तक आत्महत्या के बताए गए कारण का सवाल है तो यह कहना उचित होगा कि आत्महत्याएँ किसी एक कारण से नहीं होतीं। और न ही ये सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यवस्थागत और आर्थिक कारकों से अलग, शून्य में होती हैं। जबकि आत्महत्या पर एनसीआरबी की रिपोर्टें भ्रामक रूप से मौतों का एक ही कारण बताती हैं। लगभग 75 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्नलिखित कारणों से होती हैं। पारिवारिक समस्याएं और शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति के कारण उत्पन्न संकट, आत्महत्या के सभी कारणों में से 50 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। विवाह और रिश्तों से जुड़ी चिंताओं को मिलाकर मृत्यु का तीसरा कारण बताया गया। यह उन कुछ कारणों में से एक था जहाँ पुरुषों में आत्महत्या से होने वाली मौतों की संख्या महिलाओं में आत्महत्या से होने वाली मौतों के लगभग बराबर थी। और दहेज संबंधी कारणों से, महिलाओं में आत्महत्या से होने वाली मौतें पुरुषों से ज़्यादा थीं। वहीं, शराब और मादक पदार्थों का सेवन तथा आर्थिक और वित्तीय असुरक्षा (ऋण, गरीबी और बेरोजगारी) दोनों ही आत्महत्या से होने वाली 14 प्रतिशत मौतों का कारण थे। चिंताजनक बात यह है कि शराब और मादक पदार्थों के सेवन के कारण आत्महत्या से होने वाली मौतों में 2021 से 2022 तक सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, जो 10 प्रतिशत तक बढ़ गई। जहां तक आत्महत्या और व्यवसाय के सम्बन्धों का सवाल है तो आंकड़े बताते हैं कि इनका भी इससे गहरा सम्बन्ध है।एनसीआरबी आत्महत्या से मरने वाले लोगों के पेशे पर रिपोर्ट करता है। सभी आत्महत्याओं में से लगभग 77 प्रतिशत छह पेशेवर श्रेणियों में होती हैं। पिछले साल की तरह, इस साल भी आत्महत्या से होने वाली सभी मौतों में एक-चौथाई से ज़्यादा हिस्सा दिहाड़ी मज़दूरों का है, जो पिछले साल से 8 प्रतिशत ज़्यादा है। एनसीआरबी द्वारा गृहिणियों को दूसरे सबसे ऊंचे वर्ग में वर्गीकृत किया गया था। इस व्यापक समूह में कुल आत्महत्याओं का 15 प्रतिशत हिस्सा था और 2021 से 2022 तक इसमें 9 प्रतिशत की सबसे बड़ी वृद्धि भी देखी गई। वहीं, स्व-रोज़गार करने वालों में आत्महत्या की दर कुल आत्महत्याओं की संख्या का 11 प्रतिशत थी जो तीसरे स्थान पर थी, उसके बाद वेतनभोगी लोगों में यह दर 10 प्रतिशत थी। वेतन पाने वालों में आत्महत्या की दर पिछले वर्ष की तुलना में 3 प्रतिशत बढ़ी। वहीं, कुल आत्महत्याओं में बेरोजगार लोगों और छात्रों दोनों की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत थी। इस प्रकार साल 2022 में भारत में आत्महत्या की दर एक नए शिखर पर पहुँच गई। वहीं, वर्ष 2024 में भी आत्महत्या की घटनाओं में वृद्धि हुई। इस साल हुई कुल 1388 मौतों में 612 आत्महत्या की घटनाएं हुई हैं। जबकि इससे एक साल पहले भी 515 आत्महत्या की घटनाएं हुईं थीं। इससे पूरे देश में फैली इस मानसिक महामारी की जटिल स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि आत्महत्या के कारण मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक तनाव, आर्थिक समस्याएं और सामाजिक दबाव हैं। इसलिए देश में आत्महत्या की घटनाओं में भी बड़ी वृद्धि देखने को मिली है। यह कड़वा सच है कि यदि इस समय कोई तत्काल और ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो यह दर और भी ज़्यादा बढ़ने की आशंका है। इसलिए एक समर्पित आत्महत्या रोकथाम रणनीति सही दिशा में एक कदम है। लेकिन जैसा कि आंकड़े दर्शाते हैं, वास्तविक बदलाव लाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हस्तक्षेप की आवश्यकता है। ऐसे हस्तक्षेप प्रत्येक क्षेत्र के विशिष्ट संदर्भ के अनुरूप होने चाहिए, व्यापक उप-राष्ट्रीय योजनाओं की आवश्यकता होनी चाहिए और महत्वपूर्ण प्रणालीगत, सामुदायिक, पारस्परिक और सामाजिक गतिशीलता को संबोधित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों और हितधारकों की भागीदारी की आवश्यकता होनी चाहिए। तब तक, एनएसपीएस के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य को पूरा करना एक दूरगामी लक्ष्य बना रहेगा। इसलिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सटीक समय पर अपनी टिप्पणी की और नए दिशानिर्देश जारी किए। इससे उम्मीद है कि शिथिल प्रशासनिक मिशनरी में गति आएगी।

सुरक्षित भविष्य के लिए जल, जंगल और जमीन का संरक्षण जरूरी

बाल मुकुन्द ओझा

आज विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस है। प्रकृति से हमारा तात्पर्य जल, जंगल और जमीन से है। प्रकृति दिवस एक सालाना आयोजन है जिसे 28 जुलाई को पूरी दुनिया विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के रूप में मनाती है। इस दिवस की 2025 की थीम है लोगों और पौधों को जोड़ना, वन्यजीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज। यह थीम टिकाऊ प्रथाओं के माध्यम से लोगों को प्रकृति के करीब लाने और संरक्षण में तकनीक के उपयोग पर केंद्रित है। यह लुप्तप्राय प्रजातियों और जंगलों की रक्षा के लिए जैसे उपकरणों के महत्व को रेखांकित करती है। यह थीम न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती है, बल्कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से लोगों को प्रकृति के साथ फिर से जोड़ने का प्रयास करती है।

पृथ्वी पर रहने वाले तमाम जीव जंतुओं, पेड़-पौधों और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने तथा दुनिया भर में प्रकृति के प्रति जागरुकता बढ़ाने और बचाने के लिए हर साल हम यह दिवस मनाते हैं। इस दिन प्रकृति की रक्षा, उसके संरक्षण और विलुप्ति की कगार पर पहुंच रहे जीव-जंतु तथा वनस्पति की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है। इनमें मुख्यतः पानी, धूप, वाता-वरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। प्रकृति से हमारा तात्पर्य जल, जंगल और जमीन से है। हम लगातार प्रकृति का दोहन करते जा रहे हैं जिससे मानव जीवन संकट में पड़ गया है। जल, जंगल और जमीन के बिना प्रकृति अधूरी है। जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं। हम एक अर्से से प्रकृति दिवस मना रहे हैं और लोगों को प्रकृति संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद प्रकृति पर मंडराता खतरा जस का तस बना हुआ है। सबसे बड़ा खतरा तो इसे ग्लोबल वार्मिंग से है। धरती के तापमान में लगातार बढ़ते स्तर को ग्लोबल वार्मिंग कहते है। वर्तमान में ये पूरे विश्व के समक्ष बड़ी समस्या के रुप में उभर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि धरती के वातावरण के गर्म होने का मुख्य कारण का ग्रीनहाउस गैसों के स्तर में वृद्धि है। इसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे प्रकृति पर खतरा बढ़ता जा रहा है। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। कहते है प्रकृति संरक्षित होगी तो मानव जीवन भी सुरक्षित होगा। प्रकृति हमारी धरोहर है, इसकी रक्षा करना हमारा कर्त्तव्य है। प्रकृति ने हमें जीव जंतुओं सहित सूर्य, चाँद, हवा, जल, धरती, नदियां, पहाड़, हरे-भरे वन और खनिज सम्पदा धरोहर के रूप में दी हैं। मनुष्य अपने निहित स्वार्थ के कारण प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग कर रहा है। बढ़ती आबादी की समस्या के लिए आवास समस्या को हल करने के लिए हरे-भरे जंगलों को काट कर ऊंची-ऊंची इमारतें बनाई जा रही हैं। वृक्षों के कटने से वातावरण का संतुलन बिगड़ गया है और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पूरे विश्व के सामने भयंकर रूप से खड़ी है। खनिज-सम्पदा का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। जीव-जंतुओं का संहार किया जा रहा है, जिसके कारण अनेक दुर्लभ प्रजातियां लुप्त होती जा रही हैं। प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड़-पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण, वातवरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। हमारा शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से मिल कर बना है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तथा उससे अपनापन रखते हैं तो प्रकृति भी हमारे शरीर की रक्षा करेगी। हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बचे रहेंगे। प्रकृति का संरक्षण मानव जाति का संरक्षण है क्योंकि ये प्राकृतिक तत्व ही हैं जो हमें जीवन देते हैं। ऐसे में यह समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने आसपास के प्रकृतिक संसाधनों की रक्षा करे।

वर्ग पहेली नं. 3166

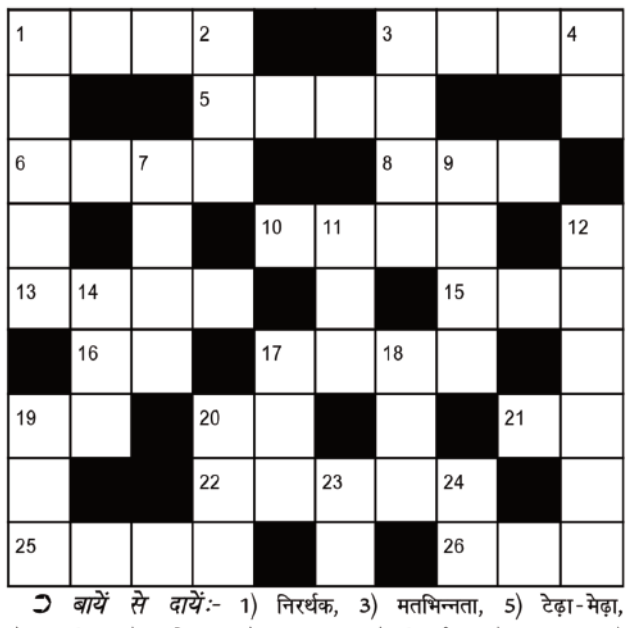

ऊपर से नीचे:- 1) ख़ाली; निठल्ला; आजीविका-हीन, 2) भोज, 3) दफा, 4) डाकू, 7) बड़प्पन, 9) खिसकना, 11) फिसलन,12) विश्वासघाती; कृतघ्न, 14) पुनरागत, 17) असली, 18) कड़ा, 19) मीठापन, 20) सुविधा, 23) उलाहना; शिकायत, 24) मोहक, एक-एक.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

ब	लि	दा	न	■	त	ज	र	बा	■
द	■	व	■	क	ल	मा	■	री	स
दु	■	त	मा	म	■	ना	क	■	र
आ	स	■	न्य	■	मी	■	मा	यू	स
■	रा	ह	■	अ	न	श	न	■	री
■	स	मा	प	न	■	र	■	हा	नि
स	र	ल	■	व	र्ण	मा	ला	■	गा
ब	■	■	शू	र	■	ना	■	बाँ	ह
क़	■	अ	न्य	त	र	■	घू	स	■

बायें से दायें:- 1) निरर्थक, 3) मतभिन्नता, 5) टेढ़ा-मेढ़ा, 6) आपत्ति, 8) संतोष, 10) गुरुद्वारा, 13) बिदाई, 15) दयालु, 16) जानकारी, 17) हकलाना, 19) उद्देश्य से; कुँवारी; बहाना; अध्यापिका, 20) आशा, 21) विश्वासघात, 22) वर्षगाँठ, 25) खलबली, 26) दया.

सुडोकू-पहेली-3123

	8		6			9	7	
1	7	9						
				2		8		
				7			4	2
		2						1
	3	4						
	5		8	4	2	6		
	9	8						

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3122 का उत्तर

2	1	3	7	5	4	8	9	6
7	5	6	8	9	2	1	4	3
8	4	9	6	3	1	7	2	5
1	9	8	5	2	6	3	7	4
4	6	2	3	7	9	5	1	8
3	7	5	4	1	8	2	6	9
9	8	7	2	4	5	6	3	1
5	2	1	9	6	3	4	8	7
6	3	4	1	8	7	9	5	2

भाषा आंदोलन को लेकर तृणमूल कांग्रेस का चार महीने लंबा धरना, अगस्त से शुरू होगा कार्यक्रम

कोलकाता : बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी शासित राज्यों में बंगालियों पर हो रहे कथित उत्पीड़न और हिंदी थोपने की कोशिशों के विरोध में चार महीने लंबे भाषा आंदोलन की घोषणा की है। इस आंदोलन की शुरुआत 2 अगस्त से कोलकाता के धर्मतला स्थित गांधी मूर्ति के पादस्थल से की जाएगी, जहां रिले पद्धति में विभिन्न तृणमूल संगठनों द्वारा चरणबद्ध तरीके से धरना दिया जाएगा। यह धरना कार्यक्रम दिसंबर तक चलेगा।

तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने 21 जुलाई की सभा से ही इस 'भाषा आंदोलन' का ऐलान किया था। शनिवार रात पार्टी की ओर से आंदोलन का पूरा कार्यक्रम सार्वजनिक किया गया। पहले चरण में 2 और 3 अगस्त को महिला तृणमूल कांग्रेस धरने की शुरुआत करेगी। इसके बाद 9 और 10 अगस्त को युवा तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व संभालेगी। 17 अगस्त को तृणमूल की लीगल सेल धरने में भाग लेगी, जबकि जन्माष्टमी की छुट्टी के कारण 16 अगस्त को कोई कार्यक्रम नहीं होगा।

आगे 23 और 24 अगस्त को जय हिंद वाहिनी आंदोलन में शामिल होगी। 30 और 31 अगस्त को किसानों और खेतिहर मजदूरों से संबंधित सेल प्रदर्शन करेगा। 6 और 7 सितंबर को प्रोग्रेसिव हेल्थ एसोसिएशन धरना देगा, वहीं 13 और 14 सितंबर को शिक्षा से जुड़े संगठन 'शिक्षाबंधु' अपनी भूमिका निभाएंगे। इसके बाद दुर्गापूजा की छुट्टियों के कारण आंदोलन में अस्थायी विराम रहेगा। फिर 11 और 12 अक्टूबर को श्रमिक संगठन आईएनटीटीयूसी धरने में हिस्सा लेगा। काली पूजा के कारण आंदोलन फिर से रुकेगा।

काली पूजा के बाद 25 और 26 अक्टूबर को आदिवासी सेल धरना देगा। नवंबर की शुरुआत में 1 और 2 तारीख को सेकेंडरी टीचर्स ऑर्गनाइजेशन हिस्सा लेगा, जबकि 8 और 9 नवंबर को वेबकूपा के सदस्य प्रदर्शन करेंगे। 15 और 16 नवंबर को प्राइमरी टीचर्स ऑर्गनाइजेशन का धरना होगा, और 22 और 23 नवंबर को अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग संगठन अपना विरोध दर्ज कराएंगे। 29 और 30 नवंबर को पैराटीचर्स संगठन धरना देगा।

अंतिम चरण में 6 और 7 दिसंबर को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ धरने में शामिल होगा, जबकि 13 और 14 दिसंबर को तृणमूल की हिंदी सेल प्रदर्शन करेगी। 20 और 21 दिसंबर को तृणमूल छात्र परिषद धरने के साथ वर्ष 2025 के इस भाषा आंदोलन कार्यक्रम का समापन करेगी।

यह आंदोलन तृणमूल कांग्रेस की ओर से बंगालियों की भाषाई अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के नाम पर बीजेपी शासित राज्यों में कथित भेदभाव और अत्याचार के खिलाफ केंद्र सरकार को खुली चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बंगाल दौरे को लेकर कोलकाता में ट्रैफिक नियंत्रण

❑ **पुलिस ने जारी की एडवाइजरी**

कोलकाता, समाज्ञा : भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय बंगाल दौरे पर इस महीने के अंत में कोलकाता आ रही हैं। उनके आगमन पर कोलकाता पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। 30 और 31 जुलाई को राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मद्देनज़र कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे। कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार वर्मा द्वारा हस्ताक्षरित एक आधिकारिक अधिसूचना में बताया गया है कि इन दो दिनों में शहर के कुछ हिस्सों में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है। राष्ट्रपति के आगमन पर 30 जुलाई (शाम 4.30 बजे से रात 9 बजे तक) महानगर के जिन मार्गों पर सभी प्रकार के वाणिज्यिक माल-वाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा, उनमें सिंथी क्रॉसिंग, बीटी रोड, टाला ब्रिज, विधान सरणी, श्यामबाजार पांचमाथा मोड़, भूपेन बोस एवेन्यू, जेएम एवेन्यू, सीआर एवेन्यू, बीबी गांगुली स्ट्रीट, लालबाजार स्ट्रीट, बीबीडी बाग पूर्व, ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट,गवर्नमेंट प्लेस ईस्ट और आरआर एवेन्यू मार्ग शामिल हैं। इसी प्रकार 31 जुलाई (सुबह 8.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक) कुछ मार्गों पर आवागमन बाधित रहेगा इनमें और कड़ा यातायात नियंत्रण लागू रहेगा आरआर एवेन्यू, रेड रोड, जेएन आइलैंड, खिदिरपुर रोड,कासुरिना एवेन्यू, हॉस्पिटल रोड, हॉस्पिटल रोड ईस्ट, एएजेसी बोस फ्लाईओवर, मां फ्लाईओवर, ईएम बाइपास, हाडको क्रॉसिंग और दुर्गापुर ब्रिज शामिल हैं। राजभवन के आसपास के इलाके में 30 जुलाई सुबह 6 बजे से 31 जुलाई रात 10 बजे तक सभी भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

कोलकाता पुलिस का कहना है कि यदि आवश्यकता पड़ी तो राष्ट्रपति के दौरे के दौरान अन्य मार्गों को भी अस्थायी रूप से बंद किया जा सकता है या यातायात को अन्य मार्गों की ओर मोड़ा जा सकता है। पुलिस के द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन दो दिनों के दौरान बेहद सतर्क रहें यात्रा की योजना पहले से बनाएं और पुलिस की ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करें।

ममता ने अब्दुल कलाम को दी श्रद्धांजलि, कहा... 'आज भी प्रेरणा हैं उनके विचार'

कोलकाता, समाज्ञा : भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'भारत रत्न' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार की सुबह एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने डॉ. कलाम को महान वैज्ञानिक और आदर्श व्यक्ति बताया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'भारत रत्न' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। वे एक महान वैज्ञानिक और एक आदर्श इंसान थे। उनका जीवन आज भी हम सभी को प्रेरणा देता है।

तृणमूल ने 'बांग्ला भाषी प्रवासियों' के उत्पीड़न के खिलाफ राज्य भर में निकालीं रैलियां

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ राज्य के विभिन्न हिस्सों में रविवार को रैलियां निकालीं। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कोलकाता के भवानीपुर और सियालदह में तथा हुगली, बांकुड़ा, बीरभूम, कूचबिहार में तृणमूल कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिनपर असम, ओडिशा, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र में पुलिस द्वारा कथित तौर पर प्रवासी श्रमिकों का किये जा रहे 'उत्पीड़न और अत्याचार' की बातें लिखी थीं। तृणमूल विधायक असीम मजूमदार ने चुचुड़ा के खदीना मोड़ पर रैली

का नेतृत्व किया। तृणमूल नेता और उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने कूचबिहार के दिनहाटा में एक अन्य मार्च का नेतृत्व किया। सियालदह और भवानीपुर में हजारों तृणमूल कार्यकर्ताओं ने बांग्ला वर्णमाला और पश्चिम बंगाल के बाहर भाजपा द्वारा बांग्ला भाषी लोगों पर अत्याचार नारे लिखी तख्तियों के साथ रैलियों में हिस्सा लिया। तृणमूल के प्रदर्शन के कारण मध्य और दक्षिण कोलकाता के कुछ हिस्सों में यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

'आमार पाड़ा, आमार समाधान' शिविर में मिलने वाली सेवाओं को लेकर नबन्ना ने जारी की एसओपी

कोलकाता : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की घोषणा के अनुरूप 2 अगस्त से पूरे राज्य में 'आमार पाड़ा, आमार समाधान' नामक विशेष जनकल्याणकारी अभियान की शुरुआत होने जा रही है। इसे लेकर नबन्ना की ओर से स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी कर दी गई है, जिसमें साफ-साफ बताया गया है कि इस शिविर में किन सेवाओं की पेशकश की जाएगी और किन कार्यों की अनुमति नहीं होगी।

यह कार्यक्रम 2 अगस्त से 3 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुर्गा पूजा और सरकारी छुट्टियों को छोड़कर राज्य के हर ब्लॉक, गांव और शहरी इलाके में शिविर लगाए जाएंगे। हर तीन बूथ पर एक समाधान केंद्र बनेगा, जहां स्थानीय निवासी अपनी समस्याएं

सीधे बता सकेंगे। सभी समस्याएं डिजिटल माध्यम से दर्ज की जाएंगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी। राज्य भर के लगभग 80,000 बूथों में से 27,000 शिविर आयोजित किए जाएंगे। 15 नवंबर तक सभी समस्याओं की समीक्षा कर समाधान तय किया जाएगा और 15 जनवरी 2026 तक कार्य पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है।

एसओपी में जिन 15 प्रकार के कार्यों को इस परियोजना के तहत स्वीकृति दी गई है, उनमें शामिल हैं:

❑ नाली निर्माण या मरम्मत
❑ ट्यूबवेल लगाना
❑ पाइपलाइन से जल आपूर्ति
❑ जल टैंक की स्थापना
❑ सड़कों पर स्ट्रीट लाइट
❑ सामुदायिक शौचालय
❑ आंगनवाड़ी केंद्र की छत की मरम्मत
❑ खेल के मैदान का विकास
❑ बाउंड्री वॉल का निर्माण
❑ प्राथमिक स्कूल भवन की पेंटिंग
❑ शौचालयों की मरम्मत
❑ तालाबों की सफाई
❑ कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
❑ सामुदायिक शेड बनाना
❑ बाज़ार या बस स्टॉप पर शेड और लाइट लगाना

एसओपी में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस परियोजना के अंतर्गत बड़े निर्माण कार्य जैसे नई स्कूल इमारत, आईसीडी सेंटर या सरकारी कार्यालय का निर्माण नहीं किया जा सकेगा। भूमि खरीदना या किराए पर लेना भी वर्जित होगा। केवल सरकारी या विवादमुक्त भूमि का उपयोग किया जा सकता है। यह योजना केवल सामूहिक हित में लागू होगी, न कि किसी व्यक्ति विशेष या समूह के लाभ के लिए।

कोलकाता नगर निगम की ओर से प्रत्येक बूथ में एक समिति बनाई जाएगी, जिसका नेतृत्व स्थानीय रूप से मान्यता प्राप्त व्यक्ति करेंगे। सभी समितियों के लिए एक निर्धारित व्हाट्सएप ग्रुप रहेगा, जिससे नगर निगम के नोडल अधिकारी सीधे जुड़े रहेंगे।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर कारोबारी से करीब 2 करोड़ की ठगी, बिहार निवासी युवक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर एक कारोबारी से करीब 2 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांचकर्ता गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ कर रहे हैं और अधिक जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दुर्गापुर के कारोबारी ब्रिजेस घोष वर्तमान में साल्टलेक के नारायणपुर इलाके के निवासी हैं। एक महीने पहले उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया था। उस मैसेज में वर्क फ्रॉम होम का ऑफर दिया गया था। कारोबारी ने उस काम के लिए हामी भर दी थी। बाद में, वर्क फ्रॉम होम को फॉरेक्स ट्रेडिंग के ऑफर में बदल दिया गया। ब्रिजेस घोष नाम के उस व्यक्ति के

नाम से एक खाता भी खोला गया था। आरोप है कि उसके जरिए एक फर्जी ऐप डाउनलोड कराया गया था। कारोबारी ने बताया कि शुरुआत में ट्रेडिंग में अच्छी रकम का लेन-देन हुआ। कारोबारी ने दावा किया कि उसने अच्छी कमाई भी की। इसके बाद, कारोबारी ने ट्रेडिंग में कमाए पैसे खाते से निकालने चाहे। आरोप है कि तभी धोखाधड़ी शुरू हुई। आरोप है कि विभिन्न कारणों से कारोबारी के खाते से कई चरणों में 1.71 करोड़ रुपये निकाल लिए गए। ठगी का अहसास होने पर व्यवसायी ने 17 जुलाई को बिधाननगर साइबर क्राइम थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने विभिन्न स्रोतों के आधार पर जांच शुरू की। शनिवार को कोलकाता के इकबालपुर से शेख मोहम्मद नामक युवक को गिरफ्तार किया गया। बताया गया है कि गिरफ्तार युवक बिहार का रहने वाला है। ठगी की रकम कहां है? इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल है? जांचकर्ता इस बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। रविवार को गिरफ्तार व्यक्ति को बिधाननगर उपजिला न्यायालय में पेश किया गया।

पार्क स्ट्रीट में सड़क पर गड्ढा, दुर्घटना रोकने के लिए बैरिकेड लगाए गए

कोलकाता : कोलकाता के पार्क स्ट्रीट इलाके में एलन पार्क के पास सड़क पर अचानक एक बड़ा गड्ढा हो गया। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश को इसकी वजह माना जा रहा है। शनिवार देर रात को सतर्क पुलिस ने तुरंत एलन पार्क इलाके में सड़क को बैरिकेड से घेर लिया ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना को रोका जा सके। इस गड्ढे के कारण इलाके में हड़कंप मच गया। खबर मिलते ही कोलकाता नगरपालिका के दो अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने गड्ढा बनने के कारणों की जांच शुरू की। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सड़क का यह हिस्सा पहले से ही थोड़ा धंसा हुआ था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि सड़क की मरम्मत जल्द शुरू की जाएगी और तब तक बैरिकेड लगाकर सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर महिला से 1.20 करोड़ की धोखाधड़ी, दो सरगना गिरफ्तार

बिधाननगर साइबर पुलिस ने चेन्नई से दोनों आरोपियों को दबोचा

कोलकाता, समाज्ञा

बिधाननगर साइबर पुलिस ने ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी के दो सरगनाओं को गिरफ्तार किया है। उन्हें शनिवार की रात चेन्नई से गिरफ्तार किया गया और बिधाननगर साइबर पुलिस उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर ले आई। पता चला है कि बिधाननगर निवासी एक महिला ने इसी साल फरवरी में बिधाननगर साइबर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, कुछ दिन पहले उसने यूट्यूब पर एक निवेश विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल किया था। उसने आरोप लगाया कि फोन पर दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति ने उसे निवेश से जुड़ी बातें बताईं। फिर, उन्होंने उनके द्वारा बताए गए एक मोबाइल ऐप के ज़रिए काम करना शुरू कर दिया।

महिला ने आरोप लगाया कि हालांकि उस ऐप पर उसके निवेश की राशि सही दिखाई दे रही थी, लेकिन पैसे निकालते समय उसे समस्याओं का सामना करना पड़ा। उसने आरोप लगाया कि जब उसने उस मोबाइल नंबर पर कॉल किया, तो उसे पैसे निकालने के लिए एक निश्चित राशि जमा करने के लिए कहा गया। महिला की लिखित शिकायत के अनुसार, उसने चरणबद्ध तरीके से 1.20 करोड़ रुपये जमा कर दिए। तभी, उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। उसने बिधाननगर साइबर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

बिधाननगर साइबर पुलिस ने जांच के बाद इस गिरोह के दो सदस्यों को चेन्नई से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर अपनी हिरासत में ले लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पुलिस गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर इस गिरोह में शामिल बाकी लोगों का पता लगाना चाहती है।

समुद्र स्नान बना जानलेवा, बकखाली में लहरों में बहा युवक, तलाश अभियान जारी

कोलकाता, समाज्ञा : बकखाली समुद्र तट पर रविवार को छुट्टियां मनाने गए एक 22 वर्षीय युवक की समुद्र की तेज लहरों में बह जाने की खबर से हड़कंप मच गया। लापता युवक की पहचान नित्यानंद पाल के रूप में हुई है, जो उत्तर 24 परगना जिले के अशोकनगर थाना क्षेत्र के गुमर इलाके का निवासी है। वह अपने पांच दोस्तों के साथ बकखाली घूमने गया था। जानकारी के अनुसार, शाम के वक्त सभी दोस्त तट पर टहल रहे थे, तभी नित्यानंद पुलिस की निगरानी से बचते हुए अचानक समुद्र में उतर गया। कुछ ही पलों में वह तेज बहाव में बह गया और लहरों में गायब हो गया। यह दृश्य उसके साथियों के सामने ही घटा। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। घटना की

जानकारी मिलते ही फ्रेजरगंज कोस्टल थाना को सूचना दी गई। पुलिस ने तुरंत गोताखोरों को बुलाया और युवक की तलाश शुरू की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में मौसम खराब है और समुद्र में तेज लहरें उठ रही हैं। निम्न दबाव के चलते मछुआरों के समुद्र में जाने पर भी रोक लगी हुई है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि चेतावनी और प्रतिबंध के बावजूद नित्यानंद ने समुद्र में उतरने का जोखिम क्यों उठाया। घटना के बाद इलाके में शोक और चिंता का माहौल है।

संदेशखाली जाली नोट कांड में महाराष्ट्र से गिरफ्तार हुआ चौथा आरोपी

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट अनुमंडल के धामाखली, संदेशखाली इलाके में नकली नोटों की एक बड़ी खेप बरामद होने के बाद पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। करीब 10 लाख रुपये के जाली नोट बरामद होने के मामले में अब तक कुल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें एक महिला भी शामिल है। इस मामले में अब एक बड़ा नाम महाराष्ट्र के नागपुर निवासी अभिषेक तिवारी सामने आया है। पुलिस ने प्रारंभिक पूछताछ और गिरफ्तार आरोपियों से मिली जानकारियों के आधार पर अभिषेक को नागपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक इस नेटवर्क से

लंबे समय से जुड़ा हुआ था और कथित रूप से नकली नोटों की आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण कड़ी था। बता दें कि इससे पहले संदेशखाली के एक गेस्ट हाउस से छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनमें एक महिला भी शामिल है। वहां से करीब 10 लाख रुपये की नकली करेंसी जब्त की गई थी। पुलिस को आशंका है कि यह रैकेट राज्य के भीतर कई जिलों तक फैला हुआ है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि यह नकली नोट किसी अन्य राज्य में छापे गए थे, जिन्हें पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में वितरित करने की योजना थी। गिरफ्तार अभिषेक तिवारी की भूमिका इस नेटवर्क को एक राज्य से दूसरे राज्य तक जोड़ने की बताई जा रही है। संदेशखाली पुलिस फिलहाल जाली नोटों की छपाई, ट्रांसपोर्ट और वितरण की कड़ी से जुड़ी तमाम जानकारियां इकट्ठा कर रही है। इस पूरे प्रकरण को एक अंतरराज्यीय गिरोह की साजिश मानकर जांच की जा रही है। पुलिस को कुछ अन्य संदिग्धों के नाम भी मिले हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

संतोष मित्रा स्क्वायर का दुर्गा पूजा पंडाल 'ऑपरेशन सिंदूर' को करेगा प्रदर्शित

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता की सबसे प्रमुख दुर्गा पूजा समितियों में से एक 'संतोष मित्रा स्क्वायर', इस साल अपने पंडाल में भारत की सशस्त्र सेनाओं की वीरता को प्रदर्शित करेगी, जिसका विषय 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित होगी। पूजा समिति के प्रवक्ता सजल घोष ने बताया कि पंडाल में युद्ध के दृश्यों का रूपांतरण किया जाएगा जो भारतीय सेना के गौरव को उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य विस्तृत मॉडल, नाटकीय प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि प्रभाव और 'कदम कदम बढ़ाए जा', 'मेरे वतन' और 'वंदे मातरम' जैसे देशभक्ति गीतों के माध्यम से वीरता और बलिदान के क्षणों को प्रदर्शित करना है। भाजपा नेता घोष ने कहा कि इस विषय का उद्देश्य राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाना और राष्ट्र की रक्षा करने वालों को श्रद्धांजलि देना है।

NAME CHANGE

I, VIJAY LOHIA (old name) S/O LATE ASHOK KUMAR LOHIA, residing at 128 HAZRA ROAD, KHIRODE GHOSH MARKET, P.S.- BHAWANIPORE , KOLKATA, PIN- 700026, West Bengal, India, have changed my name and shall henceforth be known as VIJAY KR LOHIA (new name), as declared Before The Notary Public at Kolkata, vide an affidavit dated 25/07/2025. VIJAY KR LOHIA (new name) and VIJAY LOHIA (old name) both are same and one identical person.

कोलकाता में अंतरराज्यीय धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

फर्जी बैंक वेबसाइट बनाकर करोड़ों की साइबर ठगी का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस की साइबर सेल ने फर्जी बैंक वेबसाइट के जरिए लोगों से लाखों रुपये ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह एक्सिस बैंक की नकली वेबसाइट के माध्यम से शातिर तरीके से लोगों को ठगता था। मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से 17 लाख की इलेक्ट्रॉनिक सामग्री और नकदी बरामद की गई है। अलीफ नगर के रहने वाले संदीप कुमार अग्रवाल (32) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उन्होंने 11 जुलाई से पहले एक्सिस बैंक का कस्टमर केयर नंबर गूगल पर सर्च किया, जहां एक फर्जी वेबसाइट पर उन्हें एक नंबर मिला

62872209236। उस नंबर पर कॉल करने पर सामने वाले ने खुद को बैंक का ब्रांच मैनेजर बताते हुए शिकायत दर्ज करने के लिए एक व्हाट्सएप लिंक भेजा। जैसे ही पीड़ित ने लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल फोन हैक हो गया और कुछ ही समय में यूनियन बैंक के उनके क्रेडिट कार्ड से एक लाख 18 हजार 410 की राशि लेन-देन कर ली गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीसी मेहताब आलम और इंस्पेक्टर नदीम अख्तर (गार्डेनरीच थाना) के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। साइबर सेल और अन्य इकाइयों की मदद से 26 और 27 जुलाई की रात लगभग 2 बजे कोलकाता के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की गई, जिसके बाद चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपितों ने ठगी के पैसों से महंगे मोबाइल, टैबलेट, घड़ियां, ब्लूटूथ स्पीकर आदि खरीदे और उन्हें कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में बेच दिया। गिरोह का संचालन कोलकाता और झारखंड के कुख्यात साइबर अपराध केंद्र जामताड़ा से हो रहा था। गिरफ्तार आरोपितों के नाम इंटाली निवासी मोहम्मद आरिफ ख़ान (26), लेकटाउन निवासी राजा हाती (28), इंटाली निवासी मोहम्मद एहसान अली उर्फ कैफ (21) और झारखंड के दुमका निवासी बिकाश कुमार (24) है। इनके पास से पुलिस ने 39 मोबाइल फोन, आठ पावर बैंक, तीन सीलबंद घड़ियां, एक टैबलेट, दो ब्लूटूथ स्पीकर, एक हेडफोन, एक स्कूटर और 2.5 लाख नकद जब्त किया है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 15 लाख से 17 लाख के बीच आंकी गई है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और पूरे साइबर नेटवर्क की तह तक जाने में जुटी है। साथ ही, ठगी के पैसों के डिजिटल ट्रांजैक्शन की भी विस्तृत जांच की जा रही है।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

मुख्यमंत्री ममता के बीरभूम दौरे पर शुभेंदु अधिकारी का हमला, कहा...

'जो बंगाल की बेटियों की रक्षा नहीं कर सकती, वो क्या जुलूस निकालेंगी?'

पूर्व मेदिनीपुर : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीरभूम दौरे को लेकर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कड़ा प्रहार करते हुए सवाल उठाया कि जो मुख्यमंत्री बंगाल की बेटियों की रक्षा नहीं कर सकतीं, वे आखिर किस नैतिक आधार पर जुलूस निकाल रही हैं? रविवार को नंदीग्राम के काली-चरणपुर हाई स्कूल बाजार में आयोजित 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आज मुख्यमंत्री बीरभूम जाएंगी। उनके जुलूस में 'अनुब्रत' नाम का एक बदमाश, लुटेरा

जरूर शामिल होगा। क्या मुख्यमंत्री बताएंगी कि सिउड़ी में अनुब्रत को कितनी ऑक्सीजन की जरूरत है? उन्होंने ममता बनर्जी को सीधे-सीधे 'बंगाल की शर्म' बताते हुए कहा कि वे खुद राज्य की पुलिस मंत्री हैं, लेकिन फिर भी एक पुलिस अधिकारी से अभद्र भाषा में बात करने वाले अनुब्रत मंडल पर कोई कार्रवाई नहीं होती। शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री की महिला सुरक्षा को लेकर कथित विफलताओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि जो मुख्यमंत्री बंगाल की बेटियों की रक्षा नहीं कर सकतीं, वे

किस हक से रैली निकाल रही हैं? बंगाल की जनता सब देख रही है। शुभेंदु ने इस रैली पर तंज कसते हुए कहा कि यह रैली केवल एसआईआर को रोकने की साजिश है। ममता बनर्जी जानती हैं कि अगर एसआईआर लागू हुआ, तो उनका वोट बैंक दो करोड़ से कम हो जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार बांग्लादेशियों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों से बांग्लादेशियों को हटाया जा रहा है, और बंगाल से भी उन्हें हटाया जाएगा। यह हमारी प्राथमिकता है।

पारिवारिक कलह के चलते भांजे ने चाचा की हत्या की, आरोपी गिरफ्तार

हुगली, समाज्ञा : पारिवारिक कलह ने एक बार फिर हिंसक रूप धारण कर लिया, जब धाराशिमुल गांव में एक चाचा की हत्या का मामला सामने आया। पुलिस ने चाचा की हत्या के आरोप में उनके भांजे को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मृतक चाचा का नाम अभिजीत छड़ी था और आरोपी उनके भांजे के साथ-साथ पड़ोसी विकास छड़ी पर भी जांच चल रही है। शनिवार देर रात धाराशिमुल गांव से आरोपी को गिरफ्तार किया गया और बाद में उसे आरामबाग मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। जानकारी के अनुसार, अभिजीत और उनके भांजे के बीच पहले भी पारिवारिक विवाद होते रहे

हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शनिवार दोपहर को दोनों जमीन पर काम करते हुए झगड़ा कर रहे थे। इसके बाद अभिजीत घर लौट गए, लेकिन शाम को नशे की हालत में भांजा वापस आया और फिर से विवाद छिड़ गया। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने घर में रखे हंसुआ से चाचा पर हमला किया। गंभीर रूप से घायल अभिजीत को परिवार के सदस्य हावड़ा के पांचरूल अस्पताल ले गए, जहां उनकी शनिवार रात मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की खोज शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले ने इलाके में सनसनी मचा दी है।

तृणमूल के पूर्व युवा नेता पर लूट का आरोप, पांच आरोपी गिरफ्तार

आसानसोल : सानसोल के नियामतपुर में एक चावल व्यापारी के दो कर्मचारियों से 11 लाख रुपये की लूट मामले में पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए महज 14 घंटे के अंदर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक ऑटोमैटिक पिस्तौल, कई जिंदा कारतूस, नकद दो लाख रुपये और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार लोगों में तृणमूल कांग्रेस के एक पूर्व युवा नेता सरबन मंडल का नाम भी शामिल है। घटना शनिवार शाम लगभग चार बजे की है जब व्यापारी के कर्मचारी साताशा मोड़ के पास से रुपये लेकर लौट रहे थे। तभी हथियारबंद बदमाशों ने उन्हें घेरकर नकदी लूट ली और फरार हो गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाई और जांच शुरू कर विभिन्न जगहों पर छापेमारी की। पुलिस ने राहुल बनवाल, अभिषेक प्रसाद, सनी सिंह, सरबन मंडल और दीपंकर विश्वास को गिरफ्तार किया। बीजेपी ने सरबन मंडल को तृणमूल युवा नेता बताया है, हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने इस दावे को खारिज कर दिया। पार्टी का कहना है कि सरबन को एक साल पहले ही पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था और वर्तमान में उसका तृणमूल से कोई संबंध नहीं है। आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसी सेंट्रल ध्रुव दास ने पुष्टि की कि आरोपियों के पास से कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है और मामले की जांच जारी है।

सांसद निशिकांत दुबे ने रखा गोड्डा-पोड़ैयाहाट भटोंधा हॉल्ट स्टेशन का शिलान्यास

मालदह : मालदह डिवीजन ने गोड्डा और पोड़ैयाहाट के बीच प्रस्तावित भटोंधा हॉल्ट स्टेशन के लिए रविवार को नींव रखी। यह महत्वपूर्ण आयोजन सांसद निशिकांत दुबे की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिनके साथ मालदह के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि भटोंधा हॉल्ट स्टेशन डुमका और गोड्डा की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों के लिए एक ठहराव स्थल होगा। सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यह नया हॉल्ट न केवल यात्रियों के लिए लाभकारी होगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा देगा। इससे स्थानीय वस्तुओं के परिवहन में सहूलियत होगी और गोड्डा-पोरेयाहाट क्षेत्र

में सामाजिक-आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। प्रस्तावित भटोंधा हॉल्ट का विकास लगभग 6.79 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जाएगा। विकास योजना में 1000 वर्ग फुट का वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर, अलग शौचालय, टाइल्ड फ्लोरिंग, 10 मीटर चौड़ा उच्च स्तरीय प्लेटफार्म, कंक्रीट सड़कों के साथ-साथ सुविधाजनक वॉटर टैंक, शेड, बेंच, पीने के पानी के बूथ और बाग़ीचे शामिल हैं। स्टेशन में 20 सीलिंग फैन और 46 लाइटिंग पोल भी लगाए जाएंगे ताकि यात्रियों को बेहतर आराम और सुरक्षा मिल सके। इस स्टेशन के बनने से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

मेडिकल कॉलेज में थ्रेट कल्चर का आरोप फिर सुर्खियों में, बांकुड़ा में जूनियर चिकित्सकों में असंतोष

बांकुड़ा : राज्य के चिकित्सा शिक्षण संस्थानों में 'थ्रेट कल्चर' को लेकर एक बार फिर गंभीर आरोप सामने आए हैं। यह कोई नई स्थिति नहीं है, बल्कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में पूर्व में हुए जूनियर चिकित्सकों के आंदोलन के दौरान भी इस प्रकार की शिकायतें उजागर हुई थीं। एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी इस प्रकार की संस्कृति के विरुद्ध उठती आवाजें थमी नहीं हैं। नवीनतम प्रकरण में, बांकुड़ा सम्मिलनी मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष के विरुद्ध जूनियर चिकित्सकों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। चिकित्सकों का कहना है कि संबंधित विभागाध्यक्ष अभिजीत मंडल नियमित रूप से चिकित्सीय सेवा से अनुपस्थित रहते हैं और

छात्रों को निरंतर मानसिक दबाव तथा धमकी देते हैं। आरोपों के अनुसार, विद्यार्थियों को कम अंक देने तथा उनके पूरे शैक्षणिक भविष्य को नष्ट करने की चेतावनी तक दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जब इस संबंध में स्वास्थ्य भवन से शिकायत की गई, तब प्रशासन द्वारा कॉलेज प्रबंधन को एक जांच समिति गठित करने का निर्देश दिया गया। कॉलेज प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सात सदस्यों की एक जांच समिति का गठन किया है, जो आरोपों की निष्पक्ष जांच करेगी। विरोध प्रकट करते हुए शनिवार संध्या से जूनियर चिकित्सकों ने विभागाध्यक्ष के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन आरंभ कर दिया। आंदोलनकारी एक चिकित्सक ने कहा कि प्राचार्य ने सोमवार तक उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हमें अपेक्षा है कि जांच में शीघ्र प्रगति होगी। विभागाध्यक्ष के व्यवहार को लेकर हम अत्यंत चिंतित हैं। दूसरी ओर, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पंचानन कुंडु ने स्पष्ट किया कि हम पूर्व में ही शिकायत प्राप्त कर चुके हैं। जांच प्रक्रिया प्रगति पर है और शीघ्र ही रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। 'थ्रेट कल्चर' जैसे मामलों को लेकर संस्थान प्रारंभ से ही गंभीर रहा है।

डोमकल में फिर बम धमाका, क्षेत्र में दहशत

मुर्शिदाबाद : जिले के डोमकल अनुमंडल में एक बार फिर बम धमाके की घटना ने इलाके को कंपा कर रख दिया है। रविवार की सुबह जलंगी ब्लॉक के सागरपाड़ा थाना अंतर्गत नटियाल घोषपाड़ा में हुए इस विस्फोट ने न केवल लोगों को दहशत में डाला, बल्कि स्थानीय सुरक्षा व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोलाम गौस मंडल के घर के समीप अचानक एक जोरदार विस्फोट हुआ।

हालांकि, प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह है कि बम किसी बाहरी तत्व द्वारा फेंका नहीं गया, बल्कि घर के भीतर ही छुपाकर रखा गया था। इस एंगल से मामले की पड़ताल तेज कर दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही सागरपाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेर लिया। पुलिस ने क्षेत्र में 16 सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी बढ़ा दी है और संदिग्ध गतिविधियों की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है।

पुलिस ने परिवार के प्रमुख सदस्यों, जिनमें जेस्मिना बीबी और मो. आलमगीर मंडल (गोलाम गौस मंडल के दादा) शामिल हैं, के बयान दर्ज किए हैं। साथ ही, गोलाम गौस मंडल को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की जा रही है।

कैखाली स्थित पंचवटी कॉम्प्लेक्स में भरत सिंह के घर पर आयोजित महारूद्राभिषेक पूजा में सम्मिलित हुए पूर्व विधायक संजय बक्शी, के. पी. सिंह, दिनेश सिंह व अन्य।

रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट का नया रूप, ट्रिपल सेलेक्ट प्रॉमिस के साथ लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : पर्नोड रिकार्ड इंडिया ने अपने प्रीमियम व्हिस्की ब्रांड रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट को एक नए और विशिष्ट रूप में पेश किया है। इस नए संस्करण की खासियत है इसका 'ट्रिपल सेलेक्ट प्रॉमिस' - जिसमें चुनी गई भारतीय ग्रेन स्पिरिट, अमेरिकी ओक बैरल में परिपक्व स्कॉच माल्ट और विशेष मिश्रण शामिल हैं। नई बोतल अब लंबे, आकर्षक और प्रीमियम डिजाइन में उपलब्ध है, जो क्लियर-ऑन-क्लियर लेबल के साथ आती है - इस श्रेणी में पहली बार। यह उत्पाद गुणवत्ता, प्रामाणिकता और शिल्प कौशल का प्रतीक है, जिसे मास्टर ब्लेंडर केविन बामफोर्थ का मार्गदर्शन प्राप्त है। कार्तिक मोहिंद्रा, चीफ मार्केटिंग अफसर, पर्नोड रिकार्ड इंडिया ने कहा, नया डिजाइन ब्रांड के समझदारी, प्रामाणिकता और प्रगतिशीलता जैसे मूल्यो को दर्शाता है। लॉन्च की शुरुआत महाराष्ट्र और गोवा से होगी, और इसके बाद इसे देशभर में चरणबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाएगा।

आधार हाउसिंग फाइनेंस ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में दर्ज की दमदार वृद्धि

कोलकाता, समाज्ञा : आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 22% की सालाना वृद्धि के साथ 26,524 करोड़ की एयूएम (प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति) दर्ज की है। कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 237 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 19% अधिक है। वितरण 1,979 करोड़ तक पहुंचा, जिसमें 32% की वार्षिक बढ़ोतरी हुई। नेट वर्थ 6,616 करोड़ रही, जिसमें 1,000 करोड़ आईपीओ से प्राप्त राशि शामिल है। आरओए 4.0% और आरओई 14.7% रहा, जबकि जीएनपीए 1.34% दर्ज किया गया। आधार हाउसिंग के एमडी और सीईओ ऋषि आनंद ने कहा, यह तिमाही हमारी स्थिर वृद्धि और उपभोक्ता केंद्रित रणनीति का प्रमाण है। किफायती आवास की बढ़ती मांग और आरबीआई की ब्याज दरों में कटौती से हमें और मजबूती मिली है। कंपनी अब 22 राज्यों में 591 शाखाओं और 3 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दे रही है।

कलिकापुर में डंपर के धक्के से बाइक चालक की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता के कालिकापुर बाइपास पर शनिवार रात करीब 11 बजे सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक डंपर ने तेज रफ्तार में बाइक को अचानक टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार सड़क पर जा गिरा और मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद डंपर चालक वाहन समेत फरार होने की कोशिश की लेकिन स्थानीय लोग और राहगीरों ने सतर्कता दिखाते हुए उसे पास के सिग्नल पर रोक लेते हैं। चालक को भी पकड़कर लोगों ने पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुर्घटना के बाद पुलिस समय पर नहीं पहुंची और कई बार शिकायत करने के बावजूद इस इलाके में भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। पुलिस की ओर से हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पूर्व रेलवे की पहली इंडियन रेलवे महिला मिनी लीग बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2025 सफल रूप से संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन (ईआरएसए) द्वारा आयोजित पहली इंडियन रेलवे महिला मिनी लीग बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2025 का समापन रविवार को बेहाला स्थित पूर्व रेलवे इंडोर स्टेडियम में भव्य समारोह के साथ हुआ। यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता 25 से 27 जुलाई तक चली, जिसमें रेलवे की पांच प्रमुख टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का समापन समारोह पूर्व रेलवे के अपर महाप्रबंधक शीलेंद्र प्रताप सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। उन्होंने विजेता टीमों को ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस प्रतियोगिता में सेंट्रल रेलवे की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप का खिताब जीता, जबकि इंटीग्रल कोच फैक्ट्री उपविजेता रही और पूर्व रेलवे की टीम द्वितीय उपविजेता बनी। प्रतियोगिता में लगभग 75 खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें कई अर्जुन

पुरस्कार विजेता, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सिस्टम) एवं ईआरएसए के अध्यक्ष सत्यकी नाथ, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक उदय शंकर झा, प्रधान मुख्य अभियंता विक्रम गुप्ता, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री संदीप शुक्ला एवं संयुक्त सचिव (ईआरएसए) सनी शर्मा उपस्थित रहे। पूर्व रेलवे के अपर महाप्रबंधक शीलेंद्र प्रताप सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह चैंपियनशिप भारतीय रेलवे की महिला खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास है। वहीं, सत्यकी नाथ ने कहा कि यह आयोजन न केवल खेल को बढ़ावा देता है बल्कि रेलवे परिवार में एकजुटता और खेल भावना को भी प्रोत्साहित करता है।

धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज का प्राकट्य दिवस आस्था, भक्ति भावना से मनाया गया

❑ गौमाता के संरक्षण, गौसंवर्धन के उद्देश्य से गोसेवा का संकल्प, भव्य भारत का निर्माण

कोलकाता : भारत में सनातन हिन्दू धर्म के ध्वज संवाहक, गोमाता के संरक्षण के प्रति प्रेरणा देने वाले धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज का 118 वाँ प्राकट्य दिवस आस्था, भक्ति भावना से कोलकाता में मनाया गया।

पूर्व विधायक सुरेन्द्र बहादुर सिंह ने श्रद्धालु भक्तों को स्वामी करपात्री महाराज का स्मरण करते हुए भारत हिन्दू राष्ट्र लक्ष्य के प्रति जागरूक रहते हुए वैदिक सनातन हिन्दू धर्म एवम् संस्कृति का अनुसरण करने की प्रेरणा दी। प्रमुख अतिथि बंधुगौरव ब्रह्मचारी, समाजसेवी पण्डित लक्ष्मीकांत तिवारी, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, जे पी सिंह, आचार्य राकेश पाण्डेय, रामप्रसाद सराफ, डॉ. एस के अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार सुधांशु शेखर, अशोक तिवारी प्रयागराज

बंसल एवम् अतिथियों, श्रद्धालु भक्तों का स्वागत शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती महाराज के कृपापात्र शिष्य एवं संयोजक प्रेम चन्द्र झा, पोद्दार सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. अशोक पोद्दार, देवाशीष गोस्वामी, पिंकी गोस्वामी एवम् कार्यकर्ताओं ने किया। डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी ने आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा इस तरह के धार्मिक आयोजनों से धार्मिक निष्ठा मजबूत होती है। परिवार में बच्चों, युवा पीढी को सु-संस्कारित करना जरूरी है। डॉ. अशोक पोद्दार ने कल्याणी में भगवान जगन्नाथ के भव्य मन्दिर, गुरुकुल गौशाला एवम् निर्माणाधीन सामाजिक सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए सभी से सहयोग प्रदान करने का निवेदन किया। प्रेमचंद्र झा ने शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती महाराज के राष्ट्रोत्कर्ष अभियान के माध्यम से हिंदू राष्ट्र के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की जानकारी दी। सभी वक्ताओं ने गौमाता के संरक्षण, गौसंवर्धन के उद्देश्य से गोसेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया। अशोक लाडसरिया, पुरुषोत्तम तिवारी, प्रकाश किल्ला, राजकुमार मूंधड़ा, गोकर्ण शोरेवाल, महेश आचार्य, अशोक कंदोई, शंकर बक्श सिंह, संजय सांगानेरिया, नीलेश झा, उषा गुप्ता, नमोनाथ झा, विकास पाठक, नीरज झा, जगदम्बा प्रसाद मिश्रा, हरेंद्र राय, डॉ. मायाशंकर झा, डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी, अशोक तिवारी, मिथिलेश झा, अनिल झा, पवन मिश्रा, बेला बनर्जी, राजकुमार साहू, कपिल जोशी, गोपाल मिश्रा, शोभा कांत ठाकुर चिंतामणि पांडे, रामचंद्र मिश्र, सोनी त्रिपाठी, मालती तिवारी, रमाकांत ठाकुर, अभय उपाध्याय, राम लाल अग्रवाल सहित पीठ परिषद, आदित्य वाहिनी, आनन्द वाहिनी एवम् सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

सियालदह मंडल ने मोबाइल टिकटिंग को बढ़ावा देने के लिए चलाया विशेष अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने डिजिटल इंडिया अभियान को गति देते हुए मोबाइल अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम मोबाइल-ऑन-यूटीएस को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। यह पहल डीआरएम मंडल रेल प्रबंधक राजीव सक्सेना के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जसराम मीणा के नेतृत्व में शुरू की गई है। इस अभियान के अंतर्गत मंडल के सभी अनुभागीय निरीक्षकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में यात्रियों को मोबाइल ऐप के उपयोग और लाभ के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से पेपरलेस टिकट या प्रिंटेड टिकट दोनों विकल्प उपलब्ध हैं, जो पूरी तरह वैध और मान्य हैं। इसके साथ ही ऐप के

आर-वॉलेट में रिचार्ज पर 3 प्रतिशत का बोनस भी दिया जा रहा है।

सियालदह मंडल द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान को जनता से भी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। हाल ही में प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पिछले 15 दिनों में लगभग 75,000 यात्रियों ने मोबाइल-ऑन-यूटीएस ऐप डाउनलोड किया, जबकि इसी अवधि में 41,59,528 यात्रियों ने इस ऐप के माध्यम से 2,27,86,685 के टिकट खरीदे। इस अवसर पर डीआरएम राजीव सक्सेना ने यात्रियों से आग्रह किया कि वे इस स्मार्ट तकनीक को अपनाएं और मोबाइल-ऑन-यूटीएस ऐप का उपयोग करें। उन्होंने कहा, यह केवल सुविधा का माध्यम नहीं है, बल्कि समय और धन की बचत का भी एक कुशल विकल्प है। यह पहल डिजिटल भारत की दिशा में रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कूचबिहार में लॉज से बीएसएफ जवान का शव बरामद

कूचबिहार : शहर के सुनीति रोड स्थित एक लॉज से बीएसएफ जवान का रविवार ज़ी सुबह शव बरामद किया गया है। बीएसएफ जवान का नाम नासिप एसएस (39) बताया गया है। लॉज रजिस्ट्रार के अनुसार, मृतक केरल का रहने वाला था। सूत्रों के अनुसार, वह कूचबिहार के रूपनगर बीएसएफ कैंप से लॉज में आया था। पुलिस ने लॉज के बंद कमरे में बिस्तर से उनका शव बरामद किया। उनकी मौत कैसे हुई यह भी रहस्य बना हुआ है। जिला पुलिस के अनुसार, मृतक जवान के कमरे से मानसिक बीमारी के इलाज के लिए दवाइयां बरामद हुई है। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह मानसिक बीमारी की दवा ले रहे थे। हालांकि, उसकी मौत कैसे हुई है इसकी जांच की जा रही है। लॉज के

मालिक सुदीप बनर्जी ने बताया कि बीएसएफ जवान शुक्रवार की दोपहर करीब 12 बजे लॉज में आया था। रविवार को चेकआउट के दौरान हमने उसे आवाज दी। जब कोई जवाब नहीं मिला तो हमने पुलिस को सूचना दी। बाद में लॉज के कमरे से बीएसएफ जवान का शव बरामद हुआ। बीएसएफ जवान के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया। बीएसएफ जवान के परिवार वालों को सूचित कर दिया गया है।

एमसीकेवी के रक्तदान शिविर में 190 लोगों ने किया रक्तदान

हावड़ा, समाज्ञा : करुणा और मानवता की भावना को अपनाते हुए एम. सी. केजरीवाल विद्यापीठ (एमसीकेवी) के इंटरैक्ट क्लब ने, रोटरी क्लब ऑफ बेलूर के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह शिविर एमसीकेवी के पूर्व छात्र संघ, एमसीकेवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग की एनएसएस इकाई और एमसीकेवी इंजीनियरिंग संस्थान के संयुक्त प्रयास से, सरोज गुप्ता कैंसर सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, ठाकुरपुकुर के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर एमसीकेवी ग्रुप के अध्यक्ष किशन कुमार केजरीवाल ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विशेष रूप से थैलेसीमिया जैसे रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए नियमित रक्तदान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से स्वैच्छिक रक्तदान की जीवन रक्षक भूमिका को समझने

और इसमें भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त भी किसी की जान बचा सकता है।

शिविर में उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली, जहां कुल 190 निस्वार्थ रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। रक्तदाताओं में एमसीकेवी के अभिभावक, कर्मचारी, एमसीकेवीआईई के छात्र और शिक्षक, पूर्व छात्र तथा न्यासी बोर्ड के सदस्य भी शामिल थे। इस प्रयास से कुल 190 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जो जरूरतमंदों के लिए जीवन रेखा साबित होगा। श्री केजरीवाल ने इस भारी भागीदारी को एमसीकेवी समुदाय के भीतर मौजूद जिम्मेदारी, सहानुभूति और एकजुटता की भावना का प्रतीक बताया।

हुगली के पोलबा में सहकारी चुनाव में तृणमूल की निर्विरोध जीत

भाजपा ने लगाया 'चुपचाप चुनाव' कराने का आरोप

हुगली : हुगली जिले के पोलबा में सहकारी समिति के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने सभी 9 सीटों पर बिना किसी विपक्षी उम्मीदवार के नामांकन के चलते निर्विरोध जीत हासिल की। जीत की घोषणा के बाद पार्टी समर्थकों ने ढाक की ताल पर नाचते हुए, हरे अबीर लगाकर जश्न मनाया।

तृणमूल की इस जीत पर भाजपा ने कड़ा विरोध जताया है। स्थानीय भाजपा नेता शुभजीत भवाल ने आरोप लगाया कि, नामांकन कब हुआ, प्रत्याहार की तारीख क्या थी – हमें कुछ नहीं बताया गया। तृणमूल ने चुपचाप प्रक्रिया पूरी कर ली। यह उनका चलन बन चुका है, विपक्ष को लोकतांत्रिक अधिकार नहीं दिया जा रहा।

वहीं तृणमूल नेता देबब्रत दास ने आरोपों को नकारते हुए कहा, महानाद ग्राम पंचायत क्षेत्र में तृणमूल ने लगातार जनसेवा की है, इसलिए जनता हमारे साथ है। 2017 में चयन हुआ था, इस बार चुनाव हुए – लेकिन विपक्षी दल प्रत्याशी ही नहीं दे सके। चुनाव की सारी प्रक्रिया – नामांकन, प्रत्याहार, मतदान – पूरी तरह नियम के तहत हुई। भाजपा सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित है, जनता के सुख-दुख में उनके साथ नहीं होती।

इस चुनाव को लेकर एक बार फिर राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पारदर्शिता को लेकर सियासत गर्म है।

कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण नहीं कराने की मांग पर किया विरोध प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) नहीं किया जाए। दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर क्षेत्र में प्रदर्शन में भाग लेने वाले कांग्रेस नेता आशुतोष चटर्जी ने कहा कि मुख्य मुद्दा बांग्लादेश से अवैध आप्रवासन है। उन्होंने मांग की कि पश्चिम बंगाल में भारत और बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के हर इंच पर बाड़ लगाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध किया है और हम पश्चिम बंगाल में भी ऐसा करने की किसी भी योजना का विरोध करते हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ नारे लगाए। चटर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। कांग्रेस नेता ने यह भी सवाल उठाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने वर्तमान में राज्य में 1.25 करोड़ अवैध आप्रवासियों की संख्या कैसे तय की।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले बीरभूम में भिड़े तृणमूल के दो गुट

बीरभूम : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीरभूम दौरे से कुछ घंटों पहले रविवार की दोपहर दुबराजपुर ब्लॉक के जशपुर ग्राम पंचायत में तृणमूल के दो गुटों में मारपीट हो गई। इस घटना में चार तृणमूल कार्यकर्ता घायल हो गए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जशपुर के घासबेरा नामक आदिवासी गांव में जमीन को लेकर तृणमूल कांग्रेस के लाल खान गुट और शेख जाने आलम गुट में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों गुटों के लोग एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड लेकर टूट पड़े। इस घटना में जशपुर पंचायत क्षेत्र के तृणमूल नेता लाल खान और उनके भतीजे सेकेंद्र खान गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों को सिउड़ी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शुभेंदु अधिकारी की चेतावनी: रेल क्षेत्र में कार्रवाई हुई तो एक घंटे में करेंगे धरना

हावड़ा, समाज्ञा : जौथ संग्रामी मंच द्वारा आज, 28 जुलाई को आयोजित होने वाली नवान्न सचिवालय घेराव कार्यक्रम से पहले बंगाल की सियासी सरगर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। इसी को लेकर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को हावड़ा स्टेशन पहुंचकर रेलवे अधिकारियों, आरपीएफ और जौथ संग्रामी मंच के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक के बाद शुभेंदु अधिकारी ने साफ कहा कि रेलवे क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों पर यदि बंगाल पुलिस या ममता सरकार कोई कार्रवाई करती है, तो वे एक घंटे के अंदर हावड़ा स्टेशन पर धरना देंगे। उन्होंने चेताया कि रेलवे की सीमा में राज्य पुलिस का हस्तक्षेप

अस्वीकार्य है, और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रदर्शनकारियों पर कोई अत्याचार न हो। जब उनसे बिहार में एसआईआर रिपोर्ट को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, बंगाल में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसे हुए हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया यहां भी लागू होनी चाहिए और अवैध नामों को मतदाता सूची से हटाना जरूरी है।

आईएसएफ ने जारी की पर्यवेक्षकों की पहली सूची

❑ **सिद्दीकी बोले... '2026 में निर्णायक शक्ति बनकर उभरेगी पार्टी'**

कोलकाता, समाज्ञा : 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) ने शनिवार को बड़ा कदम उठाते हुए पहले चरण के पर्यवेक्षकों की सूची जारी कर दी। कोलकाता स्थित फुरफुरा शरीफ के केंद्रीय कार्यालय से यह सूची खुद पार्टी अध्यक्ष पीरजादा मोहम्मद नौशाद सिद्दीकी ने जारी की। बैठक में सिद्दीकी ने दो टूक कहा कि आईएसएफ की लड़ाई केवल बीजेपी से नहीं, बल्कि टीएमसी से भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है और लोगों का भरोसा तेजी से टूट रहा है। उन्होंने कहा कि हम स्पष्ट रूप से मानते हैं कि भाजपा इस वक्त सबसे बड़ी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी है, लेकिन हम

दोनों से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। आईएसएफ प्रमुख ने दावा किया कि राज्य के कई जिलों से लोग लगातार पार्टी से संपर्क कर रहे हैं। ऐसे में पार्टी संगठन को नए सिरे से मजबूत करने के लिए 81 विधानसभा क्षेत्रों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इन पर्यवेक्षकों को संगठन के पुनर्गठन, स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क और पार्टी विस्तार का जिम्मा सौंपा गया है। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर सिद्दीकी ने विश्वास जताया कि आईएसएफ आने वाले दिनों में मुख्य निर्णायक शक्ति के रूप में उभरेगी। जनता राज्य की अराजकता और कुशासन से मुक्ति चाहती है। हम यही विकल्प बनकर सामने आएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दूसरे चरण के पर्यवेक्षकों की सूची जल्द ही जारी की जाएगी, ताकि हर विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक ढांचे को सशक्त किया जा सके। सिद्दीकी ने कहा कि जो लोग पार्टी से जुड़ना चाहते हैं, वे अपने क्षेत्र के पर्यवेक्षकों से सीधा संपर्क कर सकते हैं। इससे पार्टी का आधार व्यापक होगा और जनआंदोलन की शक्ल लेगा। उन्होंने कहा कि आईएसएफ न केवल एक पार्टी है, बल्कि एक वैकल्पिक जनराजनीतिक आंदोलन भी है, जो बंगाल की राजनीतिक धारा को नया मोड़ देने जा रहा है।

उत्तर 24 परगना में महिला से दुष्कर्म की कोशिश और जानलेवा हमला, आरोपी बाप-बेटा फरार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव थाना क्षेत्र के सभाईपुर इलाके में रविवार को एक विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म की कोशिश और धारदार हथियार से जानलेवा हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला पर यह हमला उनके पड़ोसी पिता-पुत्र जयंत सरदार और पुलक सरदार ने किया। घटना के पीछे दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से चला आ रहा आपसी विवाद बताया जा रहा है। शनिवार रात को ही आरोपियों ने पीड़िता के परिवार को गालियां दी थीं और हत्या की धमकी भी दी थी। महिला के पति ने जब इसका विरोध किया, तो उसे भी हथियार से धमकाया गया। रविवार सुबह जब महिला अपने बच्चों के साथ घर पर थी, तभी दोनों आरोपी जबरन घर में घुसे

और दुष्कर्म की कोशिश की। विरोध करने पर महिला के गले और गर्दन पर धारदार हथियार से कई वार किए गए। महिला की चीख सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हुए, जिसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल महिला को तुरंत बनगांव महकमा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

उत्तर हावड़ा भाजपा मंडल-1 ने तृणमूल गुंडागर्दी और पुलिस निष्क्रियता के खिलाफ थाना का किया घेराव

हावड़ा, समाज्ञा : उत्तर हावड़ा भाजपा मंडल 1 की ओर से शनिवार को तृणमूल कांग्रेस की कथित गुंडागर्दी और पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह विरोध मार्च सलकिया स्थित पारिजात सिनेमा हॉल से शुरू होकर मालिपाचघड़ा थाना तक निकाला गया। पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं को सड़कों की बदहाली और जलजमाव की समस्याओं का भी सामना करना पड़ा, लेकिन इन बाधाओं के बावजूद वे अपने आंदोलन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आए। भाजपा नेता उमेश राय ने मालिपाचघड़ा थाने की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस तृणमूल समर्थकों के दबाव में काम कर रही है और

अपराधियों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस इसी तरह पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाती रही और आम जनता को न्याय नहीं मिला, तो भाजपा आने वाले दिनों में और भी बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पुलिस प्रशासन को राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए, वरना जनता का विश्वास पूरी तरह उठ जाएगा। कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। ज्ञापन के माध्यम से पुलिस को चेताया गया कि वह अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का पालन करे और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

रायदीघी में नानूर दिवस और भाषा प्रतिवाद आंदोलन का आयोजन, बंगालियों पर हमलों के खिलाफ आवाज

कोलकाता : रायदीघी के नवरदोकान मोड़ पर रविवार को नानूर दिवस और भाषा प्रतिवाद आंदोलन के तहत तृणमूल कांग्रेस की ओर से एक विशाल रैली और जनसभा का आयोजन किया गया। दोपहर 3 बजे के करीब लगभग हज़ार तृणमूल कार्यकर्ता और समर्थक इस रैली में शामिल हुए। रैली के बाद एक सभा आयोजित की गई जिसमें रायदीघी के विधायक डॉ. अलोक जलदाता, मथुरापुर 2 नंबर ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष प्रशांत सरकार, जिला परिषद सदस्य सहित कई पार्टी नेता उपस्थित थे। सभा से बंगाल के बाहर विभिन्न राज्यों में प्रवासी बंगालियों पर हो रहे अत्याचार और हमलों के खिलाफ कड़ी नाराज़गी जताई गई। इससे पहले नानूर दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन आगे भी जारी रहेगा और राज्य के लोगों के अधिकारों के लिए वे संघर्ष करते रहेंगे। गौरतलब है कि रायदीघी के 8 प्रवासी श्रमिक इस समय हरियाणा के गुरुग्राम में फंसे हुए हैं। उन्हें वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। आंदोलनकारियों ने सरकार से इस मुद्दे पर तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की।

बंगालियों पर अत्याचार और 'पुशबैक' को लेकर पीएम मोदी पर कल्याण बनर्जी ने किया कटाक्ष

हुगली, समाज्ञा : देश के विभिन्न राज्यों में बंगालियों पर कथित अत्याचार और बांग्लादेश सीमा पर 'पुशबैक' को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा कटाक्ष किया है। उत्तरपाड़ा माखला के बाघायतीन क्लब और डॉक्टर बी सी राय मेडिसिन बैंक के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक रक्तदान शिविर में रविवार को कल्याण बनर्जी ने कहा कि उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) खुद कहा है कि उनका जन्म जैविक (बायोलॉजिकल) नहीं है, बल्कि वे ईश्वर के दूत हैं। अगर ऐसा है तो फिर वह किसी देश के नागरिक नहीं हो सकते। वह तो किसी देव लोक के हैं! ऐसे में उन्हें तो देवताओं की दुनिया में ही 'पुशबैक' कर देना चाहिए। कल्याण बनर्जी ने बिहार

चुनाव से पहले मतदाता सूची में चल रहे 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)' पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि क्या बंगाल से बाहर रहने वाले बंगालियों की नागरिकता पर सवाल उठाया जा सकता है? उन्होंने आगे कहा कि जो बंगाली दूसरे राज्यों में रहते हैं, क्या वे कम बंगाली हैं? अगर कोई वोटिंग प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेता, तो यह उसका लोकतांत्रिक अधिकार है। क्या इसका मतलब है कि उसकी नागरिकता खत्म हो गई? मेरा स्थायी पता दिल्ली है। अगर कोई सर्वे होता है और मैं उस समय घर पर नहीं होता, तो क्या यह साबित करता है कि मैं भारत का नागरिक नहीं हूं?

गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप के एयरोस्पेस बिज़नेस ने प्रैट एंड व्हिटनी के साथ एयरोस्पेस पार्ट्स निर्माण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

कोलकाता : गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप के एयरोस्पेस बिज़नेस को प्रैट एंड व्हिटनी से एक महत्वपूर्ण अनुबंध प्राप्त हुआ है। प्रैट एंड व्हिटनी, जो आरटीएक्स समूह का हिस्सा है, विमान इंजनों और सहायक शक्ति इकाइयों (ऑक्सिलरी पावर यूनिट्स) के डिज़ाइन, निर्माण और सेवा में विश्व अग्रणी है। इस अनुबंध के तहत गोदरेज, विमान इंजनों के लिए जटिल एयरोस्पेस पार्ट्स का निर्माण करेगा। मानेक बेहरामकामदीन, बिज़नेस हेड, एयरोस्पेस बिज़नेस, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का एक हिस्सा, ने कहा, 'दशकों से गोदरेज सटीक विनिर्माण यानी हाई प्रिसिशन मैन्यफैक्चरिंग के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, और भारत की एयरोस्पेस महत्वाकांक्षाओं तथा महत्वपूर्ण तकनीकों में आत्मनिर्भरता में योगदान देता आया है।'

नव युवक कांवड़िया संघ द्वारा बाबा गरीबनाथ को पहलेजा से जल चढ़ाने वाले सभी कांवड़ियों को सेवा देते धर्मवीर पटेल, रामपुकार साह, राजेश पटेल, विकास कुमार, आशुतोष कुमार, लालू पंडित, पिंटू पंडित व अन्य।

पू. सी. रेलवे की आरपीएफ ने बरामद किया 3.67 करोड़ रुपये का गांजा, शराब और चोरी के सामान सहित 14 गिरफ्तार

मालीगांव : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की आरपीएफ ने 17 से 24 जुलाई तक प्रतिबंधित वस्तुओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर बड़ी सफलता पाई। इस दौरान अगरतला, कटिहार, बागडोगरा, रंगापाड़ा नॉर्थ, लामडिंग और गुवाहाटी स्टेशनों पर अभियान चलाए गए। आरपीएफ ने कुल 168.67 किलोग्राम गांजा (मूल्य 16.83 लाख) बरामद कर दो तस्करों को पकड़ा। साथ ही 475 बोतल शराब (मूल्य 1.05 लाख) जब्त कर पांच को गिरफ्तार किया गया।

इस अवधि में सात अन्य व्यक्तियों को यात्रियों का सामान चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से छह मोबाइल, एक लैपटॉप और 1.19 लाख नकद जब्त किए गए।

वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक, आरपीएफ ने कुल 3,706.937 किलोग्राम गांजा (कुल मूल्य 3.67 करोड़) जब्त कर 126 तस्करों को पकड़ा है।

23 जुलाई को, कटिहार स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस (20503) से 51 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। 24 जुलाई को वहीं से 169 बोतल शराब जब्त कर दो को पकड़ा गया।

आरपीएफ की यह कार्रवाई नशामुक्त भारत अभियान के तहत की गई, जिसमें यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसरों को मादक पदार्थों से मुक्त करने की दिशा में कड़ा पहरा जारी है।

कठिन प्रशिक्षण के बाद एनसीसी के 32 कैडेटों को मिला सी सर्टिफिकेट

कोलकाता, समाज्ञा : एनसीसी के बंगाल व सिक्किम निदेशालय अंतर्गत तीन वर्षों के कठिन प्रशिक्षण के बाद पास आउट हुए 2 बंगाल नेवल यूनिट के 32 कैडेटों को प्रतिष्ठित सी सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है। गुरुवार को कोलकाता के रवींद्र सरोवर स्थित 2 बंगाल नेवल यूनिट के मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में यूनिट के कमांडिंग आफिसर (सीओ) कमांडर मृणमय घोष ने इन कैडेटों को सी सर्टिफिकेट प्रदान किया। इनमें 12 महिला कैडेट जबकि 20 पुरुष कैडेट शामिल हैं। एनसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि तीन वर्षों के कठोर प्रशिक्षण के बाद ये कैडेट पास आउट हुए हैं। सी सर्टिफिकेट पाने वाले इन कैडेटों ने गणतंत्र दिवस परेड सहित राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर विभिन्न गतिविधियों और साहसिक नौकायन अभियान आदि में हिस्सा लेते हुए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया।

पाथुरिया घाट पांचेर पल्ली का खूंटी पूजन संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता में पाथुरिया घाट पांचेर पल्ली पूजा के 86वें वर्ष की शुभ शुरुआत रविवार को वार्ड 24 की पार्षद इलोरा साहा और पूर्व पार्षद मृणाल साहा की पहल पर हुआ। इस मौके पर दक्षिण कोलकाता की सांसद माला राय, विधायक अशोक देव, पूर्व विधायक संजय बक्शी, पूर्व विधायक स्मिता बक्शी, पार्षद देवलीना बिस्वास, प्रियदर्शिनी घोष, श्रेया पांडे, डॉ. डी. आशीष और अन्य उपस्थित थे।

काकद्वीप में जहाज से कूदे व्यक्ति की मुरीगंगा नदी में तलाश जारी

कोलकाता, समाज्ञा : काकद्वीप में शनिवार रात को एक सनसनीखेज घटना सामने आई। जब एक व्यक्ति ने चलते जहाज से मुरिगंगा नदी में छलांग लगा दी और लापता हो गया। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 'लॉट नंबर 8' घाट से यात्रियों को लेकर एक वेसल कचुबेरिया की ओर जा रही थी, तभी नदी के बीचों-बीच अचानक वह व्यक्ति जहाज से नदी में कूद गया। वेसल पर मौजूद अन्य यात्री जोर-जोर से चिल्लाने लगे। उन्होंने जहाज के कर्मियों को तुरंत घटना की जानकारी दी। इसके बाद हारवुड प्वाइंट कोस्टल थाना को सूचित किया गया, जिसने तत्काल नदी में उस व्यक्ति की खोजबीन शुरू कर दी। रविवार सुबह तक भी उस व्यक्ति का कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस की ओर से तलाशी अभियान लगातार जारी है और उसकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इस घटना ने काकद्वीप इलाके में सनसनी फैला दी है।

गति शक्ति विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

लॉजिस्टिक्स जितना मजबूत, सीमाएं उतनी ही सुरक्षित : राजनाथ सिंह

कहा, रेलवे में हो रहे हैं ऐतिहासिक बदलाव

वडोदरा/कोलकाता : गति शक्ति विश्वविद्यालय, वडोदरा का तीसरा दीक्षांत समारोह रविवार को भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वर्चुअल माध्यम से मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को भारत की सुरक्षा और विकास का आधार बताया। उन्होंने कहा, जितनी मजबूत हमारी लॉजिस्टिक्स सेवाएं होंगी, उतनी ही सुरक्षित हमारी सीमाएं होंगी। जब सैनिकों को समय पर आवश्यक सामग्री मिलती है, तो उनका मनोबल ऊँचा रहता है।

उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने बताया कि सरकार मल्टीमोडल ट्रांसपोर्ट हब जैसी योजनाओं के माध्यम से लॉजिस्टिक्स लागत को कम कर रही है और डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली को बढ़ावा दे रही है।

❑ **रेल मंत्री ने साझा की रेलवे की प्रगति**

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारतीय रेलवे में बुनियादी ढांचे के स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। उन्होंने बताया कि केवल पिछले एक वर्ष में ही रेलवे नेटवर्क में 5,300 किलोमीटर की वृद्धि हुई है और सुरंग निर्माण की कुल लंबाई 368 किलोमीटर तक पहुँच चुकी है।

उन्होंने कहा कि गति शक्ति विश्वविद्यालय जैसे संस्थान भारत के भविष्य के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार कर रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को विकास का इंजन बताते हुए छात्रों से 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में भागीदार बनने का आह्वान किया।

❑ **194 छात्रों को मिली डिग्रियाँ**

इस दीक्षांत समारोह में कुल 194 छात्रों को विभिन्न विषयों में डिग्रियाँ प्रदान की गईं। प्रत्येक पाठ्यक्रम से

एक छात्र को शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार, एक को उत्कृष्ट परियोजना पुरस्कार, और एक को सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया।

न्यूज इन ब्रीफ

लखीमपुर खीरी में तेंदुए के हमले में छह साल के बच्चे की मौत

लखीमपुर खीरी (उप्र): लखीमपुर खीरी जिले में दक्षिण खीरी वन प्रभाग के गोला रेंज महेवागंज कस्बे के पास एक तेंदुए ने छह साल के बच्चे पर हमला कर उसे मार डाला। एक अधिकारी ने रविवार को इस घटना की पुष्टि की। ग्रामीणों ने बताया कि बादल (छह) अपने पिता के साथ शनिवार रात झोपड़ी के पास खुले में चारपाई पर सो रहा था, तभी एक तेंदुए उसे खींचकर गन्ने के खेत में ले लगया और उसे मार डाला। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह खेत से उसका शव बरामद किया गया। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) संजय बिस्वाल ने तेंदुए के हमले में लड़के के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि गश्ती दल गठित कर दिए गए हैं और तेंदुए का पता लगाने व उसे पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए जा रहे हैं। बिस्वाल ने स्थानीय निवासियों से सतर्क रहने और क्षेत्र में कई तेंदुओं की गतिविधियों को देखते हुए खुले में सोने से बचने का आग्रह किया।

झारखंड के बोकारो में बचाव अभियान के दौरान लोगों ने डंडों से लंगूर को पीटा

बोकारो: झारखंड के बोकारो जिले में रविवार को बचाव अभियान के दौरान एक लंगूर को कथित तौर पर लोगों के एक समूह ने लाठियों से पीटा। यह लंगूर पूर्व में कम से कम 20 लोगों को घायल कर चुका है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वन विभाग हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। बोकारो के मंडल वन अधिकारी (डीएफओ) रजनीश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम लंगूर की पिटाई करने वाले लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने जा रहे हैं। लोगों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि लंगूर ने पिछले 15 दिनों से बोकारो स्टील सिटी में आतंक फैला रखा है जिससे स्कूली छात्रों सहित कम से कम 20 लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने कहा, लोगों में लंगूर के प्रति गुस्सा था। बचाव अभियान के लिए वन विभाग से संपर्क किया गया था, इसलिए हमने पिछले चार दिनों से लंगूर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। फिर हमने रांची से एक बचाव दल बुलाया।

नोएडा: बीएमडब्ल्यू कार ने स्कूटर को टक्कर मारी, पांच वर्षीय बच्ची की मौत, दो घायल

नोएडा: नोएडा के सेक्टर 20 में एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे पांच साल की एक बच्ची की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने रविवार को दी। यह घटना शनिवार देर रात उस समय हुई जब लड़की सेक्टर 30 स्थित बच्चों के अस्पताल से बाहर निकली थी। वह अपने पिता और चाचा के साथ इलाज के लिए आई थी। लड़की की पहचान आयत के रूप में हुई है तथा घायलों की पहचान गुल मोहम्मद और राजा के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना के संबंध में दो व्यक्तियों- चालक और एक यात्री को गिरफ्तार कर लिया है तथा उनके खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और लापरवाही से मौत के आरोप में सेक्टर 20 थाने में मामला दर्ज किया है। इसने कहा कि दोनों की पहचान नोएडा के सेक्टर 37 निवासी यश शर्मा (22) और सेक्टर 70 निवासी अभिषेक रावत (22) के रूप में हुई है।

राजस्थान के कई जिलों में भारी बारिश का अनुमान

जयपुर: राजस्थान के ऊपर बने एक मौसमी तंत्र के प्रभाव से राज्य के कई भागों में बीते 24 घंटों के दौरान व्यापक बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार रविवार को पाली, चित्तौड़गढ़ और बारां सहित कई इलाकों में बारिश हुई। पाली के सादड़ी में दो घंटे तक भारी बारिश हुई, जिससे सड़कों पर काफी पानी भर गया। उन्होंने बताया कि तंत्र के प्रभाव के कारण कई जिलों- विशेषकर कोटा, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर और जोधपुर संभागों में पिछले 24 घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 136 मिलीमीटर (मिमी) बारिश कुशलगढ़, बांसवाड़ा में दर्ज की गई। प्रवक्ता ने बताया कि रविवार को उदयपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर और जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर कानपुर मंडल के विधायकों के साथ एक विशेष संवाद बैठक की। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई मंडलवार संवाद श्रृंखला की कड़ी में इस बार कानपुर मंडल के छह जनपदों (कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा और औरैया) के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान अपने संबोधन में कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं। उनके विचार और सुझाव केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जन आकांक्षाओं का स्वरूप होते हैं, जिन्हें योजनाओं की संरचना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए। योगी ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनप्रतिनिधियों के अनुभवों और क्षेत्रीय जानकारी को केवल दस्तावेजी स्तर पर न लें, बल्कि उन्हें नीति निर्धारण का सजीव आधार बनाएं। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि संबंधित जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए और समयबद्ध ढंग से कार्यों की शुरुआत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इन परियोजनाओं को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया। योगी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राथमिकता प्राप्त योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए, उनका पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और सतत निगरानी के माध्यम से समयबद्ध पूरा किया जाए।

गाजीपुर में जमीन के लिये माता-पिता और बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

गाजीपुर: उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में जमीन के एक टुकड़े की खातिर रविवार को एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता और बहन की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। जिले के पुलिस अधीक्षक ईराज राजा ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के डीलिया गांव में अभय यादव नामक व्यक्ति ने अपने पिता शिवराम यादव (65), मां जमुनी देवी (60) और बहन कुसुम देवी (36) की कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ प्रहार करके हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। शुरुआती जांच में पता चला है कि अभय अपने माता-पिता द्वारा छोटी बहन कुसुम को जमीन का एक हिस्सा देने से नाराज था। इसी को लेकर उसने दोपहर में तीनों की कुल्हाड़ी से प्रहार करके हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी भाग गया। उसे पकड़ने के लिये पुलिस की टीम बनाई गई हैं। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिये भेजे गये हैं।

न्यूज अपडेट

पंजाब में आईएसआई समर्थित हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़: पंजाब में अमृतसर की ग्रामीण पुलिस ने विभिन्न केंद्रीय एजेंसी के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान के तहत अत्याधुनिक हथियारों की सीमा पार तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पंजाब पुलिस प्रमुख ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह का पाकिस्तान स्थित खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) के गुर्गों से संबंध था। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एके सैगा 308 असॉल्ट राइफल, दो मैगजीन, चार मैगजीन के साथ दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, एके राइफल के 90 कारतूस, पिस्तौल के 10 कारतूस, 7.50 लाख रुपये नकद, एक कार और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा, ''प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपियों का पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों से संबंध था। हथियारों की यह खेप गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के ज्ञात सहयोगी नव पंडोरी को पहुंचाई जानी थी, जिससे आतंकवाद एवं गैंगस्टर के बीच साठगांठ का संकेत मिलता है।'

बिहार चुनाव: तेज प्रताप यादव महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे

पटना: बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। यादव को हाल में उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। वह समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं। यादव ने शनिवार शाम यहां अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, 'हां, इस बार मैं महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ूंगा। मेरे विरोधियों को जरूर दिक्कत होगी।' उन्होंने कहा, 'मुझे लोगों का समर्थन प्राप्त है...बड़ी संख्या में लोग सोशल मीडिया मंच 'टीम तेज प्रताप यादव' से जुड़े हैं।'' यादव ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना पद नहीं बचा पाएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि चाचा (नीतीश) मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे... जो लोग सरकार बनाएंगे अगर वे युवा, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात करेंगे तो तेजप्रताप यादव उनके साथ खड़ा रहेगा।' बिहार के पूर्व मंत्री को उनके पिता लालू यादव ने 25 मई को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। तेज प्रताप यादव द्वारा सोशल मीडिया पर अनुष्का नाम की महिला के साथ 'संबंध' की बात स्वीकार किए जाने के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

बलिया के जिला अस्पताल में टार्च की रोशनी में रोगियों के उपचार का वीडियो सामने आया

बलिया (उप्र): बलिया के जिला अस्पताल के आपात चिकित्सा कक्ष में टार्च की रोशनी में रोगियों का उपचार करने का वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि तकनीकी गड़बड़ी के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाने से ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो गई। सोशल मीडिया पर दो वीडियो शनिवार को तेजी से प्रसारित हुए जिसमें जिला अस्पताल के आपात चिकित्सा कक्ष में चिकित्सक टार्च की रोशनी में एक रोगी का उपचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरे वीडियो में आपात चिकित्सा कक्ष में रोगी बिजली न होने के कारण परेशान होते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में एक युवक यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि बलिया में 'इतने मंत्री होने के बावजूद' जिला अस्पताल की यह हालत है। इस मामले में जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ एस.के यादव ने रविवार को 'पीटीआई- भाषा' को बताया कि शुक्रवार शाम अचानक तकनीकी गड़बड़ी के कारण जिला अस्पताल क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि दूसरी तरफ जिस जेनरेटर के जरिए आपात चिकित्सा भवन को आपूर्ति होती है, उसमें भी तकनीकी गड़बड़ी आ गई जिससे तकरीबन 45 मिनट तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। सीएमएस ने बताया कि इस समस्या के सामने आने के बाद आपात चिकित्सा कक्ष में पर्याप्त संख्या में इनवर्टर लगाए गए हैं तथा व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश: 'अपमानजनक' सामग्री अपलोड करने के आरोप में यूट्यूबर गिरफ्तार, जमानत पर रिहा

मुरादाबाद (उप्र): मुरादाबाद पुलिस ने एक स्थानीय यूट्यूबर को हिंदू संतों और ऋषियों का मजाक उड़ाने और अभद्र टिप्पणी वाले वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, मोहम्मद आमिर को बाद में अदालत में पेश होने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, मुरादाबाद के पाकबड़ा कस्बे का निवासी आमिर यूट्यूब पर कथित रूप से अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करता है और आरोपी द्वारा 'साधु' के वेश में पोस्ट किए गए वीडियो की विभिन्न समूहों ने निंदा की। पुलिस अधीक्षक (नगर) रण विजय सिंह ने रविवार को बताया, 'अपने नवीनतम वीडियो में आरोपी ने साधु की पोशाक पहनी थी और आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था, जिसकी स्थानीय लोगों ने कड़ी आलोचना की थी।' उन्होंने कहा, 'शिकायत पर कार्रवाई करते हुए हमने आमिर को आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार किया।' हालांकि, पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बावजूद मोहम्मद आमिर को जमानत मिल गई और अदालत में पेश किए जाने के तुरंत बाद रिहा कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने आश्वासन दिया है कि आगे की जांच जारी है और निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

मथुरा-वृंदावन में हरियाली तीज पर ठाकुर जी के दर्शन को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी

मथुरा (उप्र): हरियाली तीज के अवसर पर शनिवार को वृन्दावन स्थित ठा. बांकेबिहारी के दर्शन के लिए देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन के इंतजाम के बावजूद श्रद्धालुओं में दर्शन पाने की होड़ लगी है, जिससे कई बार व्यवस्था प्रभावित होती नजर आई। हालांकि, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि हरसंभव उपाय किए जा रहे हैं ताकि भारी भीड़ के दबाव के बावजूद किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो। अधिकारियों के अनुसार इस मौके पर व्यवस्था बनाए रखने एवं श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन सरल व सुगम तरीके से कराने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल से लेकर वाहन पार्किंग व जूता घरों, खोया-पाया केंद्र, निगरानी दल आदि की विशेष व्यवस्था की गई है। ब्रज में हरियाली तीज का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन ठा. बांकेबिहारी को स्वर्ण-रजत झूले में विराजमान कर दर्शन कराने की परंपरा है, इसलिए इसे यहां 'झूलनोत्सव' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष में एक बार होने वाले इस आयोजन में ठाकुरजी के दर्शन पाने के लिए इस दिन लाखों भक्तजन यहां पहुंचते हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच समीक्षा अधिकारी भर्ती परीक्षा संपन्न

लखनऊ: उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी भर्ती परीक्षा रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल संपन्न हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा राज्य के 2,300 से अधिक केंद्रों पर सुबह साढ़े नौ बजे से शुरू हुई और तीन घंटे तक चली। परीक्षा में 42.29 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक राज्य के सभी 75 जिलों में एक ही पाली में पूर्वाह्न साढ़े नौ बजे से अपराह्न साढ़े 12 बजे तक आयोजित तीन घंटे की इस परीक्षा के लिए 10.76 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, लेकिन 4,54,997 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दी। इस परीक्षा के लिए राज्यभर में 2,382 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सचिव अशोक कुमार के हवाले से जारी एक बयान में कहा गया कि इस परीक्षा में 10,76,004 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4,54,997 (42.29 प्रतिशत) शामिल हुए। प्रदेश भर में 2,382 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कानपुर में सर्वाधिक 139, लखनऊ में 129, प्रयागराज में 106 और वाराणसी में 82 केंद्र शामिल थे। उन्होंने बताया कि अयोध्या में सर्वाधिक 52.81 प्रतिशत, जबकि रामपुर में सबसे कम 25.78 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी है। वहीं, प्रयागराज में 47.61 प्रतिशत, लखनऊ में 48.89 प्रतिशत, कानपुर में 44.37 प्रतिशत और वाराणसी में 49.19 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति रही।

आपातकाल के 50 साल बाद भी गांधी परिवार की मानसिकता नहीं बदली: भाजपा सांसद त्रिवेदी

चंडीगढ़: भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी से पता चलता है कि देश में आपातकाल के 50 साल बाद भी गांधी परिवार की मानसिकता नहीं बदली है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'पचास साल पहले इंदिरा गांधी कहा करती थीं कि किसी चुनाव की वैधता इस बात से तय होगी कि वह चुनाव जीतती हैं या नहीं। आज 50 साल बाद राहुल गांधी भी यही कह रहे हैं।' त्रिवेदी ने कहा, 'राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग पर लगातार निशाना साधे जाने से पता चलता है कि आपातकाल के 50 साल बाद भी मानसिकता नहीं बदली है।' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के अनुसार निर्वाचन आयोग ने पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक में अच्छा काम किया, लेकिन हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम में खराब काम किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता यहां पंजाब विश्वविद्यालय में श्री बलरामजी दास टंडन स्मृति व्याख्यान देने आए थे। राहुल गांधी ने 24 जुलाई को दावा किया था कि कांग्रेस के पास '100 प्रतिशत सबूत' हैं कि निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में धोखाधड़ी की अनुमति दी थी। उन्होंने साथ ही निर्वाचन आयोग को चेतावनी दी कि वह इससे बच नहीं पाएगा 'क्योंकि हम आपके खिलाफ कार्रवाई करने वाले हैं'। इससे एक दिन पहले, कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि भारत में चुनाव 'चोरी' हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक के एक लोकसभा क्षेत्र का अध्ययन करके 'वोट चोरी' के तरीके का पता लगा लिया है।

अपराध पर चिराग की टिप्पणी उनकी कमजोरी दिखाती है; उन्हें बिहार की कोई चिंता नहीं : तेजस्वी

पटना: बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान द्वारा नीतीश कुमार सरकार की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि हाजीपुर के सांसद की टिप्पणी सत्तारूढ़ राजग सहयोगी के रूप में उनकी 'कमजोरी' दिखाती है और उन्हें राज्य की ''कोई वास्तविक चिंता नहीं' है। यादव लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख पासवान की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिस पर नीतीश कुमार की जद (यू) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। इससे विधानसभा चुनाव से पहले राजग में दरारें उजागर हो गईं। पासवान के इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के फैसले से नेता प्रतिपक्ष अप्रभावित दिखे। यादव ने आरोप लगाया, ''चिराग पासवान ने एक मंत्री और गठबंधन सहयोगी के रूप में अपनी कमज़ोरी का प्रदर्शन किया है। उनकी टिप्पणियों से पता चलता है कि उन्हें केवल अपनी कुर्सी से प्यार है और बिहार की उन्हें कोई वास्तविक चिंता नहीं है।' पासवान ने शनिवार को कहा था, ''राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। बिहार में पुलिस ने अपराधियों के सामने घुटने टेक दिए हैं। मुझे ऐसी सरकार का समर्थन करने का अफसोस है, जो ऐसे अपराधों को रोकने में असमर्थ है। बिहार की स्थिति वाकई डरावनी हो गई है।' यादव ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में 'कानून-व्यवस्था नहीं है।' गयाजी में एक एम्बुलेंस के अंदर एक महिला के साथ कथित सामूहिक बलात्कार की घटना के बारे में पूछे जाने पर यादव ने कहा, 'यह चौंकाने वाला और शर्मनाक है। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की कल्पना कीजिए।' राजद नेता ने आरोप लगाया, 'राज्य में पिछले एक सप्ताह में 100 से अधिक हत्याएं हुईं। वे (राजग) इसे 'डबल इंजन' वाली सरकार कहते हैं।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मिली 'जान से मारने की धमकी', पुलिस ने जांच शुरू की

पटना: बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सम्राट के एक समर्थक के मोबाइल फोन पर एक संदेश भेजा गया, जिसमें दावा किया गया कि उपमुख्यमंत्री की 24 घंटे के भीतर गोली मारकर हत्या कर दी जाएगी। जब पत्रकारों ने इस मामले पर चौधरी से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा, ''बिहार के लोग जानते हैं कि हम राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम बिहार में ऐसा करना जारी रखेंगे।' इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पटना (मध्य) की पुलिस अधीक्षक दीक्षा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि पुलिस को इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा, 'लेकिन, हमने (धमकी भरे संदेश के आधार पर) जांच शुरू कर दी है... और तकनीकी साक्ष्य जुटा रहे हैं। जल्द ही मामला दर्ज किया जायेगा।'

बिहार: 'भोजपुरी के शेक्सपियर' भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग तेज

पटना: भोजपुरी भाषी लोग बिहार में जन्मे महान लोक कलाकार भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की जोरदार मांग उठा रहे हैं। प्रेम से ठाकुर को 'भोजपुरी के शेक्सपियर' नाम से पुकारने वाले उनके इन समर्थकों का मानना है कि वह अंग्रेजी के महान कवि और नाटककार के बराबर हैं। अभिनेता से नेता बने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मनोज तिवारी और रवि किशन सहित कई हस्तियों ने भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने के लिए केंद्र सरकार से लिखित अनुरोध किया है। भिखारी ठाकुर (1887-1971) बिहार के प्रसिद्ध नाटककार, अभिनेता, लोकगायक और समाज सुधारक थे। उन्हें भोजपुरी भाषा के सबसे महान लेखकों में से एक माना जाता है। बिहार के सारण जिले के कुतुबपुर (दियारा) गांव में जन्में ठाकुर नाई समुदाय से आते थे। अभिनेता, गायक एवं नेता मनोज तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'महान भिखारी ठाकुर एक नाटककार, गीतकार, अभिनेता, लोक नर्तक, लोक गायक, लोक नाट्य निर्देशक और समाज सुधारक थे। वह भारत के सबसे महान लोक कलाकारों में से एक थे। अपने समय से बहुत आगे की सोच रखने वाले ठाकुर ने अपना खुद का थिएटर समूह बनाया और प्रतिष्ठित एवं दुनियाभर में प्रख्यात 'बिदेसिया' सहित कई नाटक लिखे।' तिवारी ने हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर ठाकुर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न (मरणोपरांत) देने की मांग की है। कैमूर जिले के अतरवलिया गांव के निवासी तिवारी ने कहा, 'ठाकुर ने एक योद्धा की तरह जीवन जीते हुए पुरानी सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने लोककला को अपनाया और समाजिक समस्याओं का आम लोगों की भाषा और बोली (भोजपुरी) में उठाया।' उन्होंने कहा कि 'गंगा-स्नान', 'बिदेसिया', 'गबरघिचोर', 'बेटी-बेचवा', 'भाई-विरोध' और 'नई-बहार' जैसे उनके नाटक आज भी प्रासंगिक हैं और ये सभी समाज को एक संदेश देते हैं।

राजस्थान को हरा-भरा बनाने में निभाएं सक्रिय भागीदारी : मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर, 27 जुलाई (भाषा) राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि वन महोत्सव पर्यावरण एवं वृक्षों के संरक्षण के प्रति सरकार के उत्तरदायित्व का प्रतीक है और इसे जन आंदोलन का रूप दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रत्येक प्रदेशवासी अपनी मां के नाम कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं, उसे परिवार का सदस्य मानकर देखभाल करें और हरियालो राजस्थान मिशन में सक्रिय भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने रविवार को जयपुर के मदाऊ स्थित जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 76वें वन महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आधे से ज्यादा बांध भर चुके हैं। यह पहली बार हुआ है कि बीसलपुर बांध जुलाई माह में ही भर गया। उन्होंने कहा कि आज किसान, मजदूर सहित सभी वर्ग खुशहाल हो रहे हैं और राजस्थान समृद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मिशन 'हरियालो राजस्थान' का शुभारंभ किया था। गत वर्ष राजस्थान में सात करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस साल 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। आज हरियाली तीज के पावन पर्व पर हम एक दिन में ढाई करोड़ पौधे लगाकर एक नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। शर्मा ने कहा कि हरियालो मिशन के तहत पांच साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पंचामृत की सौगात दी है, जिसमें भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन और ऊर्जा की आधी जरूरतें अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सामाजिक सरोकार के कार्य किए जा रहे हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जनता से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को स्वस्थ रखने में पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है और सरकार नयी पीढ़ी को पर्यावरण से जोड़ने के लिए अनवरत कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में जल और पर्यावरण संरक्षण की परम्परा पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न नगरीय क्षेत्रों में शुद्ध प्राणवायु के लिए नगर वन भी स्थापित किए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार से 22 नगर वन स्थापित करने की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 18 अन्य नगर वनों की स्थापना के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भिजवाए गए हैं।

मैनपुरी में पुलिस की चूक ने निर्दोष को गुनहगार बनाया, आरोपमुक्त होने में 17 साल लगे

मैनपुरी: उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में पुलिस की एक छोटी-सी चूक के कारण एक निर्दोष व्यक्ति गुनहगारों की सूची में शामिल हो गया और उसे खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए 17 साल अदालत के चक्कर लगाने पड़े। अदालत ने राजवीर (62) को कोतवाली थाने में गिरोहबंद अधिनियम के तहत दर्ज मामले में 24 जुलाई को आरोपमुक्त कर दिया। कोतवाली थाने के प्रभारी निरीक्षक ने 31 अगस्त 2008 को नगला भांट गांव निवासी राजवीर, मनोज यादव, प्रवेश यादव और भोला के खिलाफ गिरोहबंद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस ने राजवीर समेत सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बाद में मामले की जांच दन्नाहार पुलिस को सौंप दी गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले में असली आरोपी राजवीर का भाई रामवीर था, लेकिन पुलिस ने रामवीर की जगह राजवीर का नाम दर्ज कर दिया था।

न्यूज इन ब्रीफ

कोविंद ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

नयी दिल्ली : पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को यहां राष्ट्रपति भवन में मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने मुलाकात की तस्वीर 'एक्स' पर एक पोस्ट में साझा करते हुए लिखा, ''भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' कोविंद ने 'एक साथ चुनाव' संबंधी एक उच्च-स्तरीय समिति का भी नेतृत्व किया।

सीआरपीएफ कमांडो जल्द ही लीबिया में भारतीय दूतावास की सुरक्षा करेंगे

नयी दिल्ली : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कमांडो को लीबिया में पुनः खोले गए भारतीय दूतावास और उसके कर्मियों को सशस्त्र सुरक्षा प्रदान करने के लिए जल्द ही भेजा जायेगा। सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में रविवार को कहा कि जवान त्रिपोली में तैनात होने की तैयारी कर रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे इराक के बगदाद में भारतीय दूतावास की सुरक्षा की जा रही है। लीबिया में भारतीय दूतावास को पिछले वर्ष जुलाई में पुनः खोला गया था, जो उत्तरी अफ्रीकी देश में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के कारण लगभग पांच वर्षों तक बंद रहा था। इस घटनाक्रम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ लगभग चार-पांच साल पहले लीबिया में भारतीय दूतावास की सुरक्षा कर रही थी, लेकिन संघर्ष की स्थिति के कारण इसे बंद कर दिया गया और पड़ोसी देश ट्यूनीशिया में भारतीय दूतावास से संबद्ध कर दिया गया था।

स्थायी दिव्यांगता से पीड़ित सीएपीएफ जवानों को वित्तीय पैकेज, उचित वेतन मिलेगा : गृह सचिव

नयी दिल्ली : सीएपीएफ के अधिकारी और जवान जो अभियान के दौरान अपने अंग खो देते हैं या किसी स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो जाते हैं, वे सेवा में बने रहेंगे और उन्हें एकमुश्त मूल मौद्रिक पैकेज के अलावा उचित पदोन्नति एवं वेतन मिलेगा। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने रविवार को यह जानकारी दी। मोहन यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 87वें स्थापना दिवस के अवसर पर बल के जवानों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है और उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में समिति अपनी सिफारिशों और योजना को लागू करने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दे देगी।

'गूगल मैप्स' का इस्तेमाल कर रही महिला की कार गलत मोड़ लेने के कारण खाई में गिरी

मुंबई : नवी मुंबई में अपने गंतव्य तक जाने के लिए 'गूगल मैप्स' की मदद ले रही एक महिला की कार गलत मोड़ लेने के कारण खाई में गिर गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महिला को बचा लिया गया। यह घटना शुक्रवार रात करीब एक बजे महाराष्ट्र में नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में हुई। बेलापुर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला 'बे ब्रिज' जाने के बजाय 'गूगल मैप्स' के निर्देश पर गलत मोड़ लेकर ध्रुवतारा जेट्टी पहुंच गई और उसकी कार खाई में गिर गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने समुद्री सुरक्षा दल, उसकी नौका और स्थानीय प्राधिकारियों की मदद से महिला को बचा लिया। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय नवी मुंबई के खारघर इलाके में सैलून का व्यवसाय करने वाली महिला अपनी कार से बेलापुर से उल्वे स्थित अपने घर जा रही थी।

तेलंगाना में रात का खाना खाने के बाद 60 से अधिक छात्राएं अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद : तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले में एक सरकारी बालिका आवासीय विद्यालय की 60 से अधिक छात्राओं को रात का खाना खाने के बाद उल्टी होने की शिकायत के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, उय्यालवाड़ा स्थित आवासीय विद्यालय में शनिवार रात खाना खाने के बाद 64 छात्राएं बीमार पड़ गईं जिसके बाद उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद इनमें से 50 छात्राओं को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' से साबित हुआ कि आतंकियों और भारत के दुश्मनों के लिए कोई स्थान सुरक्षित नहीं: मोदी

गंगईकोंडा चोलपुरम : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को दिखाया कि अगर भारत की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वह किस तरह जवाब देगा और सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह भी साबित कर दिया कि भारत को निशाना बनाने वाले दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई पनाहगाह नहीं है। यह कार्यक्रम महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती को रेखांकित करता है, जिसे 'आदि तिरुवथिरई' (तमिल माह आदि में राजा का जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई है) उत्सव के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में कहा, ''दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो वह कैसे जवाब देता है।' उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' ने साबित कर दिया कि भारत के दुश्मनों के लिए, आतंकवादियों के लिए, कोई

प्रधानमंत्री मोदी ने गंगईकोंडा चोलपुरम में रोड शो किया

पनाहगाह नहीं है। जब मैं हेलीपैड से यहां आया, तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक एक रोड शो में बदल गई, और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पूरे देश में एक नई जागृति, एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का एहसास होना चाहिए।' मोदी ने कहा कि सम्राट राजराज चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल-प्रथम के नाम भारत की पहचान और गौरव के पर्याय हैं। उन्होंने घोषणा की कि तमिलनाडु में उनकी भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी और ये प्रतिमाएं ''हमारे ऐतिहासिक जागरण के आधुनिक स्तंभ' होंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र पर टिप्पणी करते हुए कई लोग ब्रिटेन के मैग्नाकार्टा का जिक्र करते हैं, जबकि चोल कालीन 'कुडवोलाई प्रणाली' उससे भी पुरानी है। उन्होंने कहा कि चोल काल में अपनाई गई यह प्रणाली 1,000 साल से भी ज्यादा पुरानी है।

जम्मू में 46 किलो हेरोइन जब्ती मामले में आरोपपत्र दाखिल, लश्कर से संबंध का खुलासा

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के राज्य अन्वेषण एजेंसी (एसआईए) ने पिछले साल अगस्त में जम्मू और पंजाब में 46 किलोग्राम हेरोइन की जब्ती से जुड़े नार्को-आतंकवाद मामले में पहला आरोपपत्र दाखिल किया जिसमें पाकिस्तान के प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की भूमिका का भी खुलासा किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले साल नौ अगस्त को खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू के बस स्टैंड क्षेत्र से 33.580 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त कर पंजाब के तरनतारन निवासी सरताज सिंह की गिरफ्तारी के बाद यह मामला प्रकाश में आया था। त्वरित जांच के बाद दूसरे आरोपी अमृतपाल सिंह उर्फ फौजी की पहचान हुई जो पहले तो एक अन्य खेप लेकर घटनास्थल से फरार हो गया था लेकिन बाद में उसे पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

उसके पास से 12.626 किलोग्राम अतिरिक्त हेरोइन बरामद हुई। मामले में आतंकी संबंध के कारण मामला एसआईए जम्मू को स्थानांतरित कर दिया गया और स्वापक ओषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत जांच शुरू की गई। अधिकारी ने बताया कि एसआईए ने मामले में सक्षम अदालत के समक्ष अपना पहला आरोपपत्र दाखिल किया। उन्होंने कहा, 'जांच में अमृतपाल सिंह के लश्कर से जुड़े पाकिस्तान स्थित एक हैंडलर के संपर्क में होने के सबूत मिले जिससे प्रत्यक्ष रूप से नार्को-आतंकवाद का मामला साबित हुआ।' अधिकारी ने कहा, 'आरोपपत्र में दोनों आरोपी और अन्य संलिप्त लोगों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम और यूएपीए के तहत गंभीर अपराधों की पुष्टि की गई है।'

13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 63 जिलों में आधे से अधिक बच्चे छोटे कद के: संसद को प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण

नयी दिल्ली : संसद में प्रस्तुत कई दस्तावेजों के विश्लेषण से पता चला है कि उत्तर प्रदेश के 34 जिलों सहित 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 63 जिलों ने बताया है कि आंगनवाड़ी केंद्रों में नामांकित 50 प्रतिशत से अधिक बच्चों की लंबाई उनकी उम्र के लिहाज से कम है। बच्चों की लंबाई कम रहने के पीछे कई कारक हो सकते हैं जिनमें दीर्घकालिक या बार-बार होने वाला कुपोषण भी शामिल है। विश्लेषण से यह भी पता चला है कि 199 जिलों में कम लंबाई का स्तर 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के बीच है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर पर आधारित आंकड़ों के अनुसार, उम्र के लिहाज से बच्चों की लंबाई कम होने के उच्चतम स्तर वाले कुछ सर्वाधिक प्रभावित जिलों में महाराष्ट्र का नंदुरबार (68.12 प्रतिशत), झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम (66.27 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश का चित्रकूट (59.48 प्रतिशत), मध्य प्रदेश का शिवपुरी (58.20 प्रतिशत) और असम का बोंगाईगांव (54.76 प्रतिशत) शामिल है। उत्तर प्रदेश इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां 34 जिलों में इस समस्या का स्तर 50 प्रतिशत से अधिक है, इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कई सवालों के जवाब में बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में 0-6 साल की उम्र के 8.19 करोड़ बच्चों में से 35.91 प्रतिशत बच्चे कम लंबाई वाले हैं और 16.5 प्रतिशत कम वजन के हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चों में उम्र के मुकाबले लंबाई कम होने की व्यापकता और भी ज्यादा यानी 37.07 प्रतिशत है। कम वजन वाले बच्चों के मामले में भी स्थिति उतनी ही गंभीर है। महाराष्ट्र के नंदुरबार में 48.26 प्रतिशत बच्चों का वजन कम दर्ज किया गया, जो प्रतिशित आंकड़े के लिहाज से देश में सबसे अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश के धार (42 प्रतिशत), खरगोन (36.19 प्रतिशत) और बड़वानी (36.04 प्रतिशत), गुजरात के डांग (37.20 प्रतिशत), डूंगरपुर (35.04 प्रतिशत) और छत्तीसगढ़ के सुकमा (34.76 प्रतिशत) जिले हैं। कम वजन बच्चों में तीव्र कुपोषण का संकेत है। मध्य प्रदेश के धार में सबसे अधिक 17.15 प्रतिशत बच्चे कम वजन के पाए गए, इसके बाद छत्तीसगढ़ के बीजापुर (15.20 प्रतिशत) और नगालैंड के मोन (15.10 प्रतिशत) का स्थान है। मध्य प्रदेश में कई जिले हैं जहां कम लंबाई की दर 50 प्रतिशत से अधिक है, जिनमें शिवपुरी (58.20 प्रतिशत), खरगोन (55.02 प्रतिशत) और गुना (52.86 प्रतिशत) शामिल हैं। असम में भी कई जिले हैं जहां इसकी दर 50 प्रतिशत से अधिक है, जिनमें कछार (54.11 प्रतिशत), दरंग (51.65 प्रतिशत) और दक्षिण सलमारा-मनकाचर (52.67 प्रतिशत) शामिल हैं।

देश में मार्च से जून तक लू लगने के 7,000 से अधिक मामले, 14 मौतें दर्ज की गईं: आरटीआई

नयी दिल्ली : देश में इस वर्ष एक मार्च से 24 जून के बीच लू लगने के 7,192 संदिग्ध मामले सामने आए और मात्र 14 मौतें दर्ज की गईं। यह जानकारी 'पीटीआई' को सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त आंकड़े से मिली। देश में 2024 में भीषण गर्मी के कारण लू लगने के लगभग 48,000 मामले और 159 मौतें दर्ज की गई थीं। 2024 का साल 1901 के बाद से भारत में दर्ज किया गया सबसे गर्म वर्ष था। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा साझा किए गए आंकड़े से पता चलता है कि अधिकतर मामले मई महीने में सामने आए जब गर्मी चरम पर होती है। मई में लू लगने के 2,962 संदिग्ध मामले और तीन मौतें दर्ज की गईं। अप्रैल में लू लगने के 2,140 संदिग्ध मामले और छह मौतें दर्ज की गईं जबकि मार्च में 705 संदिग्ध मामले सामने आए और दो मौतें हुईं। जून के दौरान, महीने की 24 तारीख तक लू लगने के 1,385 संदिग्ध मामले और तीन मौतें दर्ज की गईं। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य आंध्र प्रदेश रहा जहां इस अवधि के दौरान लू लगने के कुल संदिग्ध मामलों में से आधे से अधिक यानी 4,055 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए।

धनखड़ के इस्तीफे का कारण नहीं पता : खरगे

विजयपुरा (कर्नाटक) : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि उन्हें जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के वास्तविक कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि धनखड़ को बताना होगा कि वास्तव में क्या हुआ था, क्योंकि मामला उनके और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच का है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धनखड़ ने हमेशा सरकार का पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि जब भी विपक्ष ने मुद्दे उठाने की कोशिश की, चाहे वह किसानों या गरीबों से संबंधित हो या विदेश नीति से जुड़ा हो, उन्होंने कभी भी विपक्ष को ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। यह सवाल पूछे जाने पर कि क्या धनखड़ को किसानों के पक्ष में बोलने के कारण इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा, खरगे ने कहा, 'मुझे ये सब जानकारी नहीं है। वह (धनखड़) हमेशा सरकार के पक्ष

में रहे। उन्हें बताना चाहिए कि क्या हुआ था।' खरगे ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'जब हमने किसानों, गरीबों, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों या विदेश नीति से संबंधित कई मुद्दे उठाए तो उन्होंने (राज्यसभा में सभापति के तौर पर) हमें कभी मौका नहीं दिया।' उन्होंने कहा, 'जब हमने गरीबों, महिलाओं, दलितों और वंचितों पर अत्याचार तथा हिंदू-मुस्लिम टकराव जैसे मुद्दों पर नोटिस देकर मुद्दे उठाने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें मौका नहीं दिया।

असम में 'इंडिया' की कोई ताकत नहीं, भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी : सोनोवाल

गुवाहाटी : विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के पास असम में जमीनी स्तर पर कोई ताकत नहीं होने का दावा करते हुए केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाला राजग अगले साल विधानसभा चुनावों के बाद लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाएगा। 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में असम के पूर्व मुख्यमंत्री ने असम की राजनीति में वापसी पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई और कहा कि राज्य में चुनाव के दौरान पार्टी उनसे जो भी करने को कहेगी, वह उसका पालन करेंगे। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सोनोवाल ने कहा, वे कुछ भी कर लें, लेकिन 'इंडिया' में

कोई ताकत नहीं है। 'इंडिया' गठबंधन मीडिया और प्रचार के लिए तो अच्छा है, लेकिन जमीनी स्तर पर लगभग शून्य कार्यकर्ताओं के साथ उसके पास कोई ताकत नहीं बची है। विपक्ष ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ 'इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस' (इंडिया) का गठन किया है। भाजपा के नेता हालांकि 'इंडिया' को अक्सर 'इंडी गठबंधन' के तौर पर संबोधित करते हैं। सोनोवाल ने दावा किया कि कांग्रेस द्वारा लोकसभा सांसद गौरव गोगोई को अपना प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बावजूद, विपक्षी दल खुद को पुनर्जीवित करने और सत्तारूढ़ गठबंधन का कोई महत्वपूर्ण प्रतिरोध करने में विफल रहेगा। उन्होंने कहा, और जनता उन पर भरोसा क्यों करेगी? उन्हें 55 साल तक शासन करने का मौका दिया गया, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने सिर्फ 11 साल में चमत्कार कर दिखाया है।

उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई एवं शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता उद्धव ठाकरे से रविवार को मुलाकात कर उन्हें उनके 65वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। राज दादर स्थित अपने आवास 'शिवतीर्थ' से उद्धव के बांद्रा स्थित आवास 'मातोश्री' पहुंचे। उद्धव ने अपनी पार्टी के सांसद संजय राउत के साथ मुंबई स्थित मातोश्री बंगले के प्रवेश द्वार पर अपने चचेरे भाई का स्वागत किया। राज ने उद्धव को लाल गुलाब का एक बड़ा गुलदस्ता भेंट किया। राज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मेरे बड़े भाई, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर, मैं अपनी शुभकामनाएं देने के लिए दिवंगत माननीय बालासाहेब ठाकरे के निवास मातोश्री गया।' उन्होंने मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें पृष्ठभूमि में उनके चाचा और उद्धव के पिता बाल ठाकरे की तस्वीर लगी हुई दिखाई दे रही है। उद्धव ने संवाददाताओं से कहा कि राज से मुलाकात के बाद उनकी खुशी 'कई गुना बढ़ गई'। उन्होंने कहा, ''वह कई वर्षों के बाद मातोश्री आए थे।' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि चचेरे भाइयों के बीच हुई मुलाकात को कोई राजनीतिक महत्व नहीं दिया जाना चाहिए।

बब्बर-खालसा से जुड़ा हथियार तस्कर दिल्ली में गिरफ्तार

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से कथित रूप से जुड़े और इस साल की शुरुआत में पंजाब में एक थाने पर ग्रेनेड हमले में शामिल रहे 22 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमृतसर के चनानके गांव के रहने वाले करणबीर उर्फ करण को 26 जुलाई को गुरदासपुर से स्पेशल सेल पुलिस थाने में दर्ज शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि करणबीर पंजाब के बटाला में किला लाल सिंह थाने पर सात अप्रैल को हुए ग्रेनेड हमले का भी मुख्य आरोपी है। पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) अमित कौशिक ने कहा, ''इस घटना की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रहा है।' अधिकारी ने बताया कि जांच 22 जुलाई को इंदौर से एक अन्य आरोपी आकाशदीप उर्फ बाज की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुई थी। डीसीपी ने कहा, 'पूछताछ के दौरान, आकाशदीप ने ग्रेनेड हमले में अपनी संलिप्तता का खुलासा किया और बीकेआई से जुड़े अन्य लोगों के नाम बताए। हमले की जिम्मेदारी लेने संबंधी एक पोस्ट सोशल मीडिया पर सामने आया था, जिसे कथित तौर पर बीकेआई के कार्यकर्ताओं हैप्पी पासिया, मन्नू अगवान और गोपी नवांशहरिया ने साझा किया था।

जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिश करने वाले अतिवादी तत्वों को जगह न दें : रीजीजू

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के लोगों को बेहद सकारात्मक और प्रगति चाहने वाला बताते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को कहा कि देश के बाहर से कुछ अराजक तत्व केंद्र शासित प्रदेश में शांति और विकास को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं। रीजीजू ने कहा कि एक मजबूत भारत एक मजबूत जम्मू-कश्मीर के बिना अधूरा है और स्थानीय युवाओं को आश्वासन दिया कि हम आपको अपनी आवाज बुलंद करने और अपनी बात कहने का पूरा मौका देकर आपको गौरवान्वित करेंगे। कश्मीर विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन 2025 को संबोधित कर रहे संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने जोर देकर कहा कि राजनेताओं को देश के हित में राजनीतिक मतभेदों को भूलना चाहिए और प्रेम की दुकानें खोलने के बजाय प्रेम के मार्ग पर एक साथ चलना चाहिए। उन्होंने अप्रैल में कश्मीर की अपनी पिछली यात्रा के दौरान डल झील के किनारे एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ हुई अपनी आकस्मिक मुलाकात का भी जिक्र किया और कहा कि सुबह-सुबह अचानक हुई इस मुलाकात से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया, जो नहीं होना चाहिए था। मंत्री ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उस महान यात्रा, विकसित भारत यात्रा का हिस्सा बनें। इसलिए, हम आएंगे और सभी बाधाओं को पार करेंगे। हमें राजनीतिक मतभेदों को भूलना होगा। हम अलग-अलग राजनीतिक मैदानों पर हो सकते हैं... आइए हम प्यार और खुशी के साथ आगे बढ़ें। मंत्री ने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि मैं प्रेम की दुकान खोलने में विश्वास नहीं रखता। लेकिन मैं प्रेम के मार्ग पर साथ-साथ चलने में विश्वास रखता हूं। जम्मू-कश्मीर को अपने मंत्रालय की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए रीजीजू ने कहा कि उन्होंने देखा है कि जम्मू-कश्मीर के लोग बेहद सकारात्मक हैं।

दीपिका पादुकोण ने संस्कृति को आकार देने वाली 90 महिलाओं की सूची में शामिल होने पर खुशी जताई

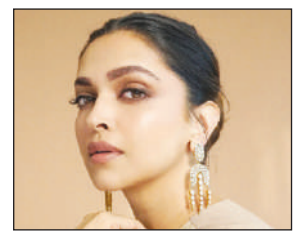

नयी दिल्ली : बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को मानसिक स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तीकरण की वकालत के लिए वैश्विक सांस्कृतिक प्रकाशन 'द शिफ्ट' की संस्कृति को आकार देने वाली 90 से अधिक महिलाओं की सूची में शामिल किया गया है। दीपिका (39) के अलावा, इस सूची में गायिका-अभिनेत्री सेलेना गोमज, हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली, गायिका बिली इलिश और ओलिविया रोड्रिगो जैसी अन्य लोकप्रिय हस्तियों के नाम भी शामिल हैं। दीपिका ने रविवार दोपहर अपने 'इंस्टाग्राम' हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की और लिखा, ''ग्लोरिया स्टीनम और उनके 91 साल के सामाजिक योगदान के सम्मान में, 'द शिफ्ट' हमारे भविष्य को आकार देने वाली 90 आवाजों का सम्मान कर रहा है। इस सम्मान के लिए मैं उनकी आभारी हूं।'

संसाधन प्रबंधन 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में एक निर्णायक कारक था : राजनाथ सिंह

वडोदरा : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से मई में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में विभिन्न एजेंसियों द्वारा संसाधनों (लॉजिस्टिक) का प्रबंधन एक निर्णायक कारक था। राजनाथ वडोदरा में रेल मंत्रालय के तहत आने वाले गति शक्ति विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों और अध्यापकों को डिजिटल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह प्रभावी एवं चौंकाने वाली भी है। रक्षा क्षेत्र भी बदल रहा है और युद्ध के तरीकों में

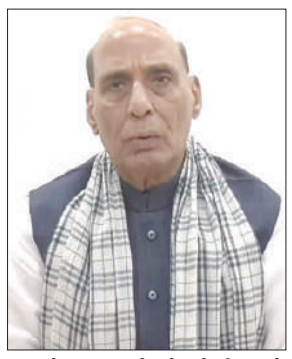

भी बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। आज के दौर में युद्ध सिर्फ बंदूकों और गोलियों से नहीं, बल्कि समयबद्ध तरीके (चीजों का प्रंधन करने) से जीते जाते हैं।'' राजनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि संसाधनों का प्रबंधन युद्ध के मैदान में देश का भाग्य तय करता है। उन्होंने कहा कि जीत और हार जरूरी संसाधनों से तय होती है और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पूरी दुनिया ने इसे देखा। राजनाथ ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में संसाधनों का प्रबंधन एक निर्णायक कारक था। विभिन्न एजेंसियों ने हमारे सशस्त्र बलों को जुटाने से लेकर सही समय पर सही जगह पर आवश्यक सामग्री पहुंचाने तक, जिस तरह से जरूरी संसाधनों का प्रबंधन किया, वह 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में एक निर्णायक कारक साबित हुआ।'उन्होंने कहा कि 'लॉजिस्टिक' को केवल सामान पहुंचाने की प्रक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा, ''संसाधन ही युद्धक्षेत्र को युद्धक्षेत्र बनाते हैं। संसाधनों के बिना, यह एक असमंजस का क्षेत्र बन जाएगा। युद्ध के दौरान अगर हथियार और गोला-बारूद सही समय पर सही जगह न पहुंचें, तो इसका कोई मतलब नहीं है। हमारा संसाधन प्रबंधन जितना मजबूत होगा, हमारी सीमाएं भी उतनी ही सुरक्षित होंगी।' उन्होंने कहा, 'आज हम ऐसे दौर में हैं, जहां ताकत सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि समय पर संसाधन प्रबंधन से मापी जाती है। चाहे युद्ध हो, आपदा हो या वैश्विक महामारी, यह सिद्ध हो चुका है कि जो राष्ट्र अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत रखता है, वह सबसे स्थिर, सुरक्षित और सक्षम होता है।'

बिहार की मसौदा मतदाता सूची अंतिम सूची नहीं: निर्वाचन आयोग

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने रविवार को उन लोगों पर निशाना साधा, जो यह धारणा फैला रहे थे कि बिहार में प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची ही अंतिम मतदाता सूची होगी। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसे यह ''समझ नहीं आ रहा'' कि जब किसी नाम को गलत तरीके से शामिल किए जाने या गलत तरीके से बाहर किए जाने की बात रेखांकित करने के लिए एक अगस्त से एक सितंबर तक, पूरा एक महीने का समय उपलब्ध है, तो वे इतना हंगामा क्यों मचा रहे हैं? आयोग का यह बयान बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के एक महीने लंबे पहले चरण के समापन पर आया है, जिसमें घर-घर जाकर सर्वेक्षण करके मतदाताओं को अधूरे भरे हुए गणना फॉर्म वितरित किए गए थे, जिन्हें भरने के बाद वापस किया जाना था। निर्वाचन आयोग ने कहा कि 7.24 करोड़ मतदाताओं के गणना फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं। उसने कहा कि 36 लाख लोग या तो स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए हैं या फिर बताए गए पते पर मिले ही नहीं, जबकि सात लाख मतदाता कई जगहों पर पंजीकृत पाए गए हैं। आयोग ने चुटकी लेते हुए कहा, 'अपने 1.6 लाख बूथ-स्तरीय एजेंट से एक अगस्त से एक सितंबर तक दावे और आपत्तियां जमा करने के लिए क्यों नहीं कहते हैं।'' राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट, मतदाता सूची तैयार करने या उसे अद्यतन करने में निर्वाचन आयोग के बूथ-स्तरीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हैं। निर्वाचन आयोग के बयान में कहा गया है, 'कुछ लोग यह धारणा क्यों फैला रहे हैं कि मसौदा सूची ही अंतिम सूची है, जबकि विशेष गहन पुनरीक्षण आदेशों के अनुसार यह अंतिम सूची नहीं है।'' इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य के विभिन्न विपक्षी दलों ने दावा किया है कि दस्तावेज़ों के अभाव में मतदाता सूची संशोधन के दौरान करोड़ों पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। उन्होंने यह भी दावा किया है कि बिहार में सरकारी मशीनरी द्वारा सत्तारूढ़ गठबंधन का विरोध करने वालों को निशाना बनाए जाने से भाजपा को फायदा होगा। अपने हमले को तेज करते हुए कांग्रेस ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग को 'संस्थागत अहंकार' नहीं दिखाना चाहिए। पार्टी ने आयोग से बिहार में एसआईआर को रोकने की मांग दोहराई।

भारतीय हॉकी के 100 साल: हॉकी इंडिया ने अनुदानों की घोषणा की, सात नवंबर को महोत्सव

महाबलीपुरम : हॉकी इंडिया ने यहां अपनी 15वीं कांग्रेस के दौरान राष्ट्रीय और जमीनी स्तर के टूर्नामेंट के समर्थन के लिए अपने वित्तीय अनुदान में पर्याप्त वृद्धि की घोषणा की है। अब से सीनियर पुरुष और सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए 70-70 लाख रुपये, जूनियर पुरुष, जूनियर महिला, सब जूनियर पुरुष और सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन के लिए 30-30 लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे। इसके अलावा जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के समर्थन के लिए प्रत्येक राज्य को 25 लाख रुपये दिए जाएंगे। हॉकी इंडिया ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन बढ़े हुए अनुदानों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, आयोजन की गुणवत्ता में सुधार करना और स्थानीय स्तर पर वित्तीय बाधाओं को कम करके व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस सहयोग से हजारों उभरते खिलाड़ियों, कोचों और जमीनी स्तर के अधिकारियों को लाभ होने की उम्मीद है जो भारतीय हॉकी के भविष्य की रीढ़ हैं। भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस कांग्रेस में कई ऐतिहासिक घोषणाएं हुईं जिनमें सात नवंबर को एक राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन भी शामिल है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में हॉकी इंडिया एक राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन करेगा जिसमें एक साथ 1,000 मैच होंगे (देश के प्रत्येक जिले में एक पुरुष और एक महिला मैच) जिसमें 36,000 से ज्यादा खिलाड़ी (18,000 पुरुष और 18,000 महिलाएं) भाग लेंगे। यह पहल देश के कोने-कोने से खिलाड़ियों को एक साथ लाएगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, ''भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए हम न केवल अपनी स्वर्णिम विरासत का सम्मान करते हैं बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रखते हैं।

जडेजा और सुंदर की शानदार पारियों से भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट ड्रॉ कराया

मैनचेस्टर : वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा की जुझारू और नाबाद शतकीय पारियों की मदद से भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट को रोमांचक स्थिति से निकालते हुए ड्रॉ करा लिया।पांचवें दिन भारत ने जब दो विकेट पर 174 रन से अपनी दूसरी पारी शुरू की थी, तब टीम को पारी की हार टालने के लिए 137 रन और बनाने थे। हालांकि, शुभमन गिल (103 रन, 238 गेंद) और लोकेश राहुल (90 रन, 230 गेंद) ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी कर भारत की स्थिति को मजबूत किया।उनके आउट होने के बाद रविंद्र जडेजा (107* रन, 185 गेंद) और वाशिंगटन सुंदर (101* रन, 206 गेंद) ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 203 रन की अटूट साझेदारी कर इंग्लैंड को कोई वापसी का मौका नहीं दिया।सुंदर के करियर का यह पहला टेस्ट शतक रहा, जबकि जडेजा ने इस प्रारूप में अपना पांचवां शतक पूरा किया। इन दोनों बल्लेबाजों ने अंतिम दो सत्रों में इंग्लैंड के गेंदबाजों को थका डाला। खास बात यह रही कि पंत के चोटिल होने और निचले क्रम के बल्लेबाजों के अनुभवहीन होने के कारण इन दोनों ने बिना जोखिम लिए बल्लेबाजी की और मैच को सुरक्षित अंत तक ले गए।इससे पहले कप्तान बेन स्टोक्स ने चोट के बावजूद गेंदबाजी करते हुए राहुल को आउट किया और इंग्लैंड को वापसी की उम्मीद दिलाई। लेकिन दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए इंग्लैंड के पास ज्यादा विकल्प नहीं बचे। लियाम डॉसन और जोफ्रा आर्चर भी असफल रहे, जिससे भारत को खेलने में राहत मिली।मैच के अंतिम घंटे में जब जडेजा और सुंदर अपने-अपने शतक के करीब थे, तब भारत ने खेल जारी रखने का निर्णय लिया, जिससे स्टोक्स नाखुश नजर आए। उन्होंने विरोध जताने के रूप में हैरी ब्रूक से गेंदबाजी करवाई, जिससे बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने का मौका मिला। दोनों के शतक पूरे होते ही मैच ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

तुलसी और नित्या ने ब्रिटिश एवं आयरिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में स्वर्ण पदक जीते

नयी दिल्ली : तुलसी मुरुगेसन और नित्या श्री सुमति सिवन के ब्रिटेन के कार्डिफ में ब्रिटिश एवं आयरिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में स्वर्ण पदकों की बदौलत भारत ने बीडब्ल्यूएफ सर्किल के लेवल एक की प्रतियोगिता में शानदार शुरूआत की। तुलसी ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में हमवतन मनीषा रामदास को 18-21, 21-17, 21-16 से हराया जबकि नित्या ने एसएच6 फाइनल में पेरू की गिउलिआना पोवेदा को 21-11, 21-23, 21-11 से हराया। पुरुष एकल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन से भारत की पदक तालिका में और इजाफा जिसमें सुकांत कदम और कृष्णा नागर ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सुकांत ने सेमीफाइनल में हमवतन भारतीय नवीन शिवकुमार को 21-14, 21-19 से हराकर एसएल4 के फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि खिताबी मुकाबले में वह पैरालंपिक चैंपियन फ्रांस के लुकास माजुर से 6-21, 14-21 से हार गए। पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर ने एसएच6 वर्ग में कड़े संघर्ष के बाद कांस्य पदक जीता। उन्हें सेमीफाइनल में ब्राजील के विटोर तवारेस से 21-19, 20-22, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट में भारत के अन्य पदक विजेताओं में प्रेम कुमार आले और अबू हुबैदा ने पुरुष युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 में कांस्य पदक, कृष्णा नागर और नित्या ने मिश्रित युगल एसएल6 में कांस्य पदक, मनीषा रामदास ने महिला एकल एसयू5 में रजत पदक, मनदीप कौर ने महिला एकल एसएल3 में कांस्य पदक और मनदीप कौर और चिराग बरेठा ने मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक जीता।

तिलक वर्मा दलीप ट्रॉफी में दक्षिण क्षेत्र की अगुवाई करेंगे

बेंगलुरु : भारतीय बल्लेबाज एन तिलक वर्मा को अगले महीने होने वाली घरेलू सत्र की शुरुआती टूर्नामेंट दिलीप ट्रॉफी के लिए दक्षिण क्षेत्र का कप्तान बनाया गया है। बाईस बरस के तिलक ने भारत के लिए चार वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है। वह शानदार लय में है और इंग्लैंड की काउंटी टीम हैम्पशर के लिए हाल ही में चार पारियों में 100, 56, 47 और 112 रन बनाए है। रणजी ट्रॉफी फाइनल तक शानदार प्रदर्शन करने वाले केरल के चार खिलाड़ियों ने 16 सदस्यीय टीम में जगह बनाई है। इसमें मोहम्मद अज-हरुद्दीन टीम के उपकप्तान होंगे जबकि एम.डी. निधीश, बेसिल एन.पी. और सलमान निसार भी टीम में जगह पाने में सफल रहे। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन (जो चोटिल ऋषभ पंत के विकल्प के तौर पर इंग्लैंड गए हैं),बाएं हाथ के अनुभवी स्पिनर आर. साई किशोर और मध्यक्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल भी टीम में हैं। भारत ए और कर्नाटक के तेज गेंदबाज वैशाख विजयकुमार दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगे।

अंकिता ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत, पुरुष चार गुणा 100 मी रिले टीम ने कांस्य पदक जीता

राइन रूहर (जर्मनी) : स्टीपलचेज एथलीट अंकिता ने 9:31.99 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 3000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले चौकड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया जिससे भारतीय एथलीटों ने रविवार को विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के अंतिम दिन अपना अभियान समाप्त किया। मुनिता प्रजापति, मानसी नेगी और सेजल सिंह की तिकड़ी ने अंतिम दिन महिलाओं की 20 किमी टीम पैदलचाल में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में अपना अभियान दो स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक के साथ समाप्त किया। कई भारतीय एथलीट अंतिम दिन ट्रैक स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा में थे, लेकिन केवल दो पदक ही जीत सके। 23 वर्षीय अंकिता ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 9:39.00 सेकेंड से लगभग सात सेकेंड कम समय में रजत पदक जीता। वह फिनलैंड की इलोना मारिया मोनोनेन (9:31.86 सेकेंड) से पीछे रहीं। जर्मनी की अदिया बुड्डे ने 9:33.34 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। शुक्रवार को अंकिता ने 9:54.79 सेकेंड का समय निकालकर हीट 1 में शीर्ष स्थान हासिल किया था और फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। लालू प्रसाद भोई, अनिमेष कुजुर, मनिकांता होबलिधर और म्रुत्यम जयराम की पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने 38.89 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया ने 38.50 सेकेंड से स्वर्ण और दक्षिण अफ्रीका (38.80) ने रजत पदक हासिल किया। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने 3:35.08 सेकेंड से सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, लेकिन यह पदक के लिए पर्याप्त नहीं था। अनखा बिजुकुमार, देवयानीबा जाला, रशदीप कौर और रूपल की चौकड़ी पांचवें स्थान पर रही। जर्मनी की टीम ने 3:29.68 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। विशाल कायालविझी, अश्विन लक्ष्मणन, जेरोम जयसीलन पनिमया और बालकृष्ण की भारतीय पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले चौकड़ी 3:06.5 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रही। पोलैंड ने 3:03.64 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पैदल चाल एथलीटों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कोई भी पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष 10 में भी जगह नहीं बना पाया।

फिडे महिला विश्व कप फाइनल: दिव्या ने हम्पी ड्रॉ पर रोका, अब फैसला टाईब्रेकर से

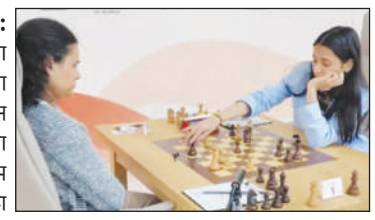

बातुमी (जॉर्जिया) : अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली ग्रैंडमास्टर और हमवतन कोनेरू हम्पी को फिडे महिला विश्व कप फाइनल के दूसरे गेम में रविवार को यहां कोई मौका दिये बिना ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया जिससे विजेता का फैसला अब टाईब्रेकर से होगा। सोमवार को होने वाले टाईब्रेकर में कम अवधि की बाजियों की सीरीज खेली जायेंगी। फाइनल के पहले गेम में शनिवार को अपनी शानदार शुरुआत का पूरा फायदा उठाने में विफल रही दिव्या ने दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलने के बावजूद बेहतर प्रदर्शन किया। वह इस दौरान अनुभवी हम्पी की हर चाल का माकूल जवाब देने में सफल रही। हम्पी ने अपने एक प्यादे को गंवाने के साथ दिव्या को उलझाकर मैच पर दबदबा बनाने की कोशिश की लेकिन इस दौरान वह अपने दोनों बिशप (ऊंट या वजीर) को गंवा बैठी। इससे युवा भारतीय खिलाड़ी को एक प्यादे के फायदे के साथ वापसी करने का मौका मिल गया। दोनो खिलाड़ियों ने 34 चालों को बाद मैच को बराबरी पर खत्म करने का फैसला किया। अब टाई-ब्रेकर में 15-15 मिनट के दो गेम होंगे जिसमें हर चाल के बाद 10 सेकेंड का इजाफा होगा। स्कोर इसके बाद फिर भी बराबरी पर रहा तो दोनों खिलाड़ी 10-10 मिनट प्रति गेम के हिसाब से एक और सेट खेलेंगी, जिसमें 10 सेकेंड का इजाफा होगा।

गिल शायद शारदुल को नहीं, कुलदीप को खिलाना चाहते थे: गावस्कर

मैनचेस्टर : महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। उनका कहना है कि यह फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए और मुख्य कोच सहित किसी और का इस पर प्रभाव नहीं होना चाहिए। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार टीम में नहीं चुने जाने पर तीखी बहस छिड़ गई है, विशेषकर जो रूट के मौजूदा चौथे टेस्ट में रिकॉर्ड शतक के बाद जहां वह रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रूट के नाम अब 13,409 रन हैं और केवल सचिन तेंदुलकर (15,291 रन) उनसे आगे हैं। गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, 'आखिरकार, यह कप्तान की टीम होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'हो सकता है कि शुभमन शारदुल को टीम में नहीं चाहते थे और कुलदीप को चाहते थे।' रूट को 2018 में मैनचेस्टर और लॉर्ड्स में दो सीमित ओवरों के मैच तीन गेंद पर दो बार आउट करने के बावजूद कुलदीप अब तक पूरी टेस्ट श्रृंखला में बाहर रहे हैं।

नेस्ले के भविष्य की वृद्धि में भारत प्रमुख भूमिका निभाएगा: सुरेश नारायणन

नयी दिल्ली : नेस्ले की भारतीय शाखा के निवर्तमान चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सुरेश नारायणन का कहना है कि भारत भविष्य में नेस्ले के लिए 'वृद्धि का एक प्रमुख वाहक' होगा। उन्होंने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा कि भारत द्वारा प्रदान की जाने वाली आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता के साथ-साथ कंपनी के विभिन्न ब्रांड की 'उच्च उपभोक्ता प्रतिक्रिया' इसे एक आकर्षक बाज़ार बनाती है। जुलाई के अंत तक सेवानिवृत्त होने जा रहे नारायणन ने कहा कि स्विट्ज़रलैंड की प्रमुख (रोजमर्रा के घरेलू उपयोग) एफएमसीजी कंपनी 2015 के मैगी विवाद को अब पीछे छोड़ चुकी है, जिसमें उसके भारत में अस्तित्व पर संकट आ गया था। कंपनी अब क्षमता बढ़ाने, उत्पाद नवाचार, बिक्री नेटवर्क के विस्तार से लेकर डिजिटलीकरण तक के लिए निवेश कर रही है। जब उनसे पूछा गया कि भारत में अगले पांच वर्षों में नेस्ले को वे किस रूप में देखते हैं, तो उन्होंने कहा, मैं यह अनुमान लगा सकता हूं कि भले ही मैं शीर्ष पर न रहूं, लेकिन बाजार का आकर्षण, निवेश का स्तर और नेस्ले का भविष्य इस देश में उज्ज्वल बना रहेगा। नारायणन ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से नेस्ले इंडिया की सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) लगभग 10 से 11 प्रतिशत रही है, तथा वर्तमान स्थिति, विशेष रूप से भारत में अधिकांश उपभोक्ता वस्तु कंपनियों के लिए अच्छी नहीं रही है, क्योंकि शहरी बाजार में खपत में कमी आई है, इसके बावजूद भी उन्हें उम्मीद है कि वे दोहरे अंकों की वृद्धि के रास्ते पर वापस आ जाएंगे।

कुछ सरकारी बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर: आरबीआई

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा बुलेटिन के अनुसार 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों (पीएसबी) की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं। पीएसबी और निजी क्षेत्र के बैंकों, दोनों की नई जमाओं के लिए भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। आरबीआई के जुलाई बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, 'इस समय सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों की बचत जमा दरें 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं।' आरबीआई ने अक्टूबर, 2011 में बचत बैंक जमा ब्याज दर को विनियमन मुक्त कर दिया था, और बैंकों को अपनी इच्छानुसार ब्याज दर निर्धारित करने की अनुमति दी थी। सरकार ने चालू सितंबर तिमाही के दौरान लघु बचत योजनाओं की दरों में कोई बदलाव नहीं किया था। लेख में कहा गया है कि इन माध्यमों पर प्रचलित दरें फॉर्मूला आधारित दरों से 0.33 से 1.18 प्रतिशत तक अधिक हैं। इसमें आगे कहा गया कि फरवरी, 2025 से नीतिगत रेपो दर में एक प्रतिशत की कमी के जवाब में बैंकों ने अपनी रेपो से जड़ी बाहरी बेंचमार्क आधारित उधार दरों में एक प्रतिशत की कमी की। इसके साथ ही कोष की सीमांत लागत आधारित ऋण दर में 0.1 प्रतिशत की कमी की गई।

न्यूज अपडेट

बीएसएनएल की छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में 4,000 नए मोबाइल टावर लगाने की योजना

नयी दिल्ली : दूरसंचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने रविवार को बताया कि सरकारी कंपनी बीएसएनएल छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में 4,000 नए मोबाइल टावर लगाने की योजना पर काम कर रही है। मंत्री ने यह जानकारी छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय दौरे के दौरान दी। इस दौरान उन्होंने आकांक्षी जिला कार्यक्रम सहित केंद्र सरकार की योजनाओं और दूरसंचार एवं ग्रामीण विकास मंत्रालयों के तहत परियोजनाओं की समीक्षा की। एक बयान में कहा गया, 'केंद्र सरकार डिजिटल संचार को मज़बूत करने के लिए छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरदराज के इलाकों में 4,000 नए बीएसएनएल टावर लगाने की योजना पर काम कर रही है। यह जानकारी केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं दूरसंचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने रायपुर में साझा की।'

अनिल अंबानी के रिलायंस समूह का वृद्धि के अगले चरण में रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर जोर

नयी दिल्ली : अनिल अंबानी के रिलायंस समूह ने वृद्धि के अगले चरण के लिए रक्षा, बिजली और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों पर ध्यान देने की योजना बनाई है। समूह ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित धन शोधन और सार्वजनिक धन की हेराफेरी की जांच के तहत समूह से जुड़े स्थानों पर तलाशी पूरी कर ली है। इसके बाद अनिल अंबानी के रिलायंस समूह दो सूचीबद्ध कंपनियों - रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के 100 से अधिक शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को मुंबई में बैठक की और समूह के महत्वाकांक्षी वृद्धि मसौदे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। समूह ने एक प्रेस बयान में कहा, ''रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के निदेशक मंडल द्वारा एक सप्ताह पहले रक्षा, एयरोस्पेस और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में वृद्धि के लिए इक्विटी और ऋण के जरिये 18,000 करोड़ रुपये जुटाने की सर्वसम्मति से मंजूरी देने के बाद इस बैठक में उद्देश्य की एकता, नए जोश और हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने के साझा संकल्प को दोहराया गया।''

अब क्यूआर कोड के साथ बिकेगी कोल्हापुरी चप्पल, नकली उत्पाद की बिक्री पर लगेगी रोक

कोल्हापुर : भारत के सबसे प्रतिष्ठित पारंपरिक शिल्प में से एक कोल्हापुरी चप्पल, न केवल घरेलू फैशन जगत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नए सिरे से लोकप्रिय हो रही है। एक इतालवी ब्रांड प्रादा पर इस चप्पल के दुरुपयोग का आरोप लगा है। अपनी जटिल कारीगरी और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध और भौगोलिक संकेतक (जीआई) के दर्जे वाली यह हस्तनिर्मित चमड़े की सैंडल को अब क्यूआर कोड के रूप में सुरक्षा और प्रामाणिकता की एक अतिरिक्त परत के साथ उपलब्ध है। इसका श्रेय हालिया प्रौद्योगिकी और कानूनी नवोन्मेषण को जाता है। महाराष्ट्र के चमड़ा उद्योग विकास निगम (लिडकॉम) के अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य नकली कोल्हापुरी चप्पल की बिक्री पर रोक लगाना, प्रत्येक उत्पाद के पीछे कारीगर की पहचान को दर्शाना, उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाना और पारंपरिक कारीगरों की बाजार में स्थिति को मजबूत करना है। हाल ही में, इटली के लक्जरी फैशन ब्रांड प्रादा के नए कलेक्शन में कोल्हापुरी चप्पल जैसे दिखने वाले फुटवियर को शामिल किए जाने पर कारीगरों ने जीआई अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए विरोध जताया था।इस विवाद के बाद प्रादा ने स्वीकार किया था कि उसके पुरुषों के 2026 फैशन शो में प्रदर्शित सैंडल पारंपरिक भारतीय दस्तकारी वाले फुटवियर से प्रेरित थी। हालांकि, ब्रांड ने महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स को दिए एक जवाब में स्पष्ट किया है कि प्रदर्शित सैंडल डिजाइन के चरण में है और अभी तक इनके व्यावसायिक उत्पादन की पुष्टि नहीं हुई है।

भारत की शीर्ष आईटी कंपनियों ने पहली तिमाही में एक अंकीय राजस्व वृद्धि दर्ज की

नयी दिल्ली : भारत की शीर्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनियों ने अप्रैल-जून में एकल अंक की राजस्व वृद्धि दर्ज की, जिससे तिमाही मिलीजुली और कुछ हद तक निराशाजनक रही। व्यापक आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों ने वैश्विक प्रौद्योगिकी की मांग पर दबाव डाला और ग्राहकों ने निर्णय लेने में देरी की। विभिन्न प्रबंधन की टिप्पणियों ने मिश्रित तस्वीर पेश की, सतर्कता बरती गई, फिर भी उद्योग के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) ने लागत अनुकूलन, विक्रेता समेकन और कृत्रिम मेधा (एआई) में बदलाव के अवसरों पर जोर दिया।भारतीय आईटी दिग्गजों के चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों का अवलोकन सालाना राजस्व वृद्धि विप्रो के लिए 0.8 प्रतिशत से एचसीएल टेक्नोलॉजीज के 8.1 प्रतिशत के बीच है।एक्सिस सिक्योरिटीज ने इन्फोसिस पर अपने परिणाम समीक्षा लिखते हुए कहा कि अनसुलझे शुल्क मुद्दे और भू-राजनीतिक तनाव के कारण कुल मिलाकर कारोबारी माहौल अनिश्चित बना हुआ है, जिससे ग्राहक विवेकाधीन खर्च को लेकर सतर्क हो रहे हैं और निर्णय लेने में देरी कर रहे हैं।नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज को उम्मीद है कि वृहद अनिश्चितता के कारण अगली एक-दो तिमाहियों तक मांग का माहौल चुनौतीपूर्ण बना रहेगा। नुवामा ने इन्फोसिस के परिणामों के बाद अपनी रिपोर्ट में कहा कि टियर-1 आईटी सेवा फर्मों के लिए पहली तिमाही की कमाई का सीजन समाप्त हो गया है।

सरकार भारत-ब्रिटेन एफटीए पर 1,000 हितधारक बैठकें, कार्यशालाएं आयोजित करेगी

नयी दिल्ली : सरकार भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर उद्योग और राज्यों को जागरूक करने के लिए अगले 20 दिन में देशभर में हितधारक बैठकों, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और रायशुमारी सत्रों सहित कुल 1,000 संपर्क कार्यक्रम आयोजित करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कवायद का मकसद 24 जुलाई को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना और इसके लाभ को अधिकतम करना है। सूत्रों ने कहा कि क्षेत्रवार संपर्क कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। संबंधित मंत्रालय भी समझौते पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे। केंद्रीय दल इस व्यापार समझौते के फायदों के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा भी करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को यहां व्यापार समझौते पर चमड़ा और वस्त्र क्षेत्र के साथ बैठक करेंगे। इस समझौते के लागू होने पर, 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात ब्रिटेन में शुल्क मुक्त हो जाएंगे। इसके साथ ही कार, सौंदर्य प्रसाधन और व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क भी कम हो जाएगा। गोयल ने 26 जुलाई को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें पहले ही विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों से बात करने का निर्देश दिया है, जो इस समझौते के लागू होने के बाद अब अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ''संसद सत्र चलने तक मैं हर क्षेत्र के साथ क्षेत्रीय बैठकें करूंगा और उसके बाद सभी राज्यों का दौरा करूंगा।'' भागलपुर सिल्क (बिहार), पश्मीना शॉल (जम्मू और कश्मीर), कोल्हापुरी चप्पल (महाराष्ट्र) और तंजावुर गुड़िया (तमिलनाडु) अब ब्रिटेन भर के मॉल और दुकानों में प्रमुखता से दिखाई देगी।

सावन के सिंधारे की शुभकामना

घेवर, सूतफेनी, ड्राईफ्रूट लड्डु, काजू-पिस्ता रोल, काजू अंजीर बर्फी, चन्द्रकला, बालूशाही एवं शुद्ध देशी घी से निर्मित मिष्ठान तथा नमकीन

तिवारी ब्रदर्स मिठाई शॉप

(40 Seated Fast Food Centre for Birthday, Anniversary Party etc.)

78/12,ब्लॉक-ई, न्यु अलीपुर : 8981026905/9007085111, 033-35928658

तिवारी ब्रदर्स, बड़ाबाजार : 6291225670, 8981026906 / 033-22688913

तिवारी स्वीट्स, कॉटन स्ट्रीट : 8981026911 / 6291183199

तिवारी कन्फेक्सनर्स : मिन्टो पार्क : 033-22871161/5613, 8276829152

काकुड़गाछी : 033-23558373 / 74, 9038488211

वर्ष 10, पूर्णांक 3307 अंक 117, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in